बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की। सम्पर्क करें

मो0-9456278011

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 96 | शुक्रवार 28 जुलाई 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

जगह खाली करो! यमुना-हिंडन ने बजाई 'घंटी' तो जागी सरकार, बड़े ऐक्शन को तैयार

नोएडा। यमुना और हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में जमीन बेचने वालों पर नोएडा प्राधिकरण, जिला प्रशासन और सिंचाई विभाग मिलकर कार्रवाई करेंगे। इसके लिए संयुक्त टीम डूब क्षेत्र में हुए अवैध निर्माण का सर्वे करेगी। इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। हिंडन में बाढ़ के कारण पुराना सुत्याना गांव में एक डंप यार्ड में खड़ी 350 से ज्यादा कार डूबने के बाद बुधवार को डीएम मनीष वर्मा और प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने गांव में जाकर निरीक्षण किया। यहां उन्होंने नक्शे के माध्यम से गांव और हिंडन के क्षेत्र की जानकारी ली। नक्शे के जरिए अधिकारियों ने काफी देर तक डूब क्षेत्र और गांव के क्षेत्रफल की पहचान की। डीएम ने बताया कि एनजीटी ने डूब क्षेत्र में निर्माण पर रोक लगाई है। अब प्रशासन ने ऐसे घरों को चिह्नित करने की तैयारी की है जो नया अवैध निर्माण हुआ है। उनसे उन भूमाफिया के बारे में भी जानकारी लेंगे, जिन्हें उन्होंने जमीन बेची। उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। हिंडन के बाद सीईओ ने यमुना के डूब क्षेत्र में जाकर अतिक्रमण की स्थिति देखी। सेक्टर-135 नंगली वाजिदपुर क्षेत्र में भी काफी संख्या में अवैध निर्माण मिला। जलस्तर कम होते ही संभवत अगले सप्ताह से फार्म हाउस पर बड़ी कार्रवाई करनी शुरू कर दी जाएगी।

अधिकारी-कर्मचारियों की मिलीभगत से अतिक्रमण

यमुना हो या हिंडन, दोनों के डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण जिला प्रशासन, नोएडा प्राधिकरण और सिंचाई विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से ही हुआ। वर्ष 2008-09 के आसपास से इन दोनों डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण की शुरुआत हुई थी। अब अधिकांश हिस्से में निर्माण हो चुका है। सीईओ ने बताया कि अवैध निर्माण को चिह्नित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को भूखंड वार रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

घुटने का इलाज कराने कोटक्कल पहुंचे राहुल गांधी

100 साल पुराने आयुर्वेदिक संस्थान में ट्रीटमेंट; भारत जोड़ो यात्रा के दौरान परेशानी हुई थी

नई दिल्ली। राहुल गांधी केरल के मलप्पुरम में घुटने के दर्द का इलाज करवा रहे हैं। वे यहां सौ साल पुराने आयुर्वेदिक संस्थान कोट्टक्कल आर्य वैद्य शाला में ट्रीटमेंट ले रहे हैं। वैद्य शाला के पी. मदनवनकुट्टी वेरियर और के. मुरलीधरन के साथ डॉक्टरों की एक टीम उनकी देखभाल कर रही है। वे 29 जुलाई तक यहां रहेंगे। इस बीच राहुल ने कोट्टक्कल में बने श्री विश्वंभरा मंदिर में पूजा-अर्चना की। आर्य वैद्य शाला के रोगियों के लिए यह मंदिर आराम और शांति के लिए बना गया है। राहुल गांधी 21 जुलाई को पूर्व CM ओमन चांडी के अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे। इसके बाद वे कोटक्कल पहुंचे थे।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हुआ था दर्द

पिछले साल भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल को घुटने में दर्द की परेशानी हुई थी। उस वक्त वे केरल में थे। यात्रा पूरी होने पर उन्होंने बताया था कि एक समय घुटने का दर्द इतना बढ़ गया था कि यात्रा जारी रखना मुश्किल लग रहा था। हालांकि, एक फिजियोथेरेपिस्ट की मदद से राहुल ने यात्रा पूरी की थी। भारत जोड़ो यात्रा ने 136 दिनों में 75 जिलों, 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में 4,000 किमी से अधिक की दूरी तय की थी। राहुल गांधी हर दिन पैदल चलते थे।

100 साल से ज्यादा पुराना आयुर्वेदिक संस्थान है आर्य वैद्य शाला

केरल के मलप्पुरम जिले के कोट्टक्कल में पीएस वारियर ने 1902 में इसकी स्थापना की थी। यह संस्थान दुनिया भर के रोगियों को आयुर्वेदिक इलाज और दवाएं देता है। कोट्टक्कल, कांजीकोड और नंजनगुड में आर्य वैद्य शाला की मेडिसिन मेनुफैक्चरिंग यूनिट हैं, जो 550 से ज्यादा आयुर्वेदिक दवाएं बनाती हैं।

केरल के वायनाड से ही सांसद थे राहुल गांधी

राहुल गांधी केरल के वायनाड जिले से पूर्व सांसद रहे हैं। मोदी सरनेम मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद उन्हें दो साल की जेल की सजा सुनाई गई थी, जिसके बाद उन्हें संसद से सांसद के रूप में उनकी सदस्यता खत्म कर दी गई थी।

फिलहाल ये मामला सुप्रीम कोर्ट में है, कोर्ट ने राहुल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाले पूर्णेश मोदी और गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया है। इस पर 10 दिनों में जवाब देना होगा। इस मामले में अगली सुनवाई 4 अगस्त को होगी।

SC से राहत नहीं मिली तो 2031 तक चुनाव नहीं लड़ पाएंगे

राहुल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली तो वे 2031 तक कोई चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। राहुल को इस मामले में 23 मार्च 2023 को 2 साल की सजा सुनाई गई थी। नियम के मुताबिक, सजा पूरी होने के छह साल बाद तक चुनाव लड़ने पर रोक रहती है। ऐसे में 2025 में उनकी सजा पूरी होगी और उसके बाद 6 साल तक चुनाव लड़ने पर रोक रहेगी।

सच्चे हिंदू नहीं हो सकते राहुल गांधी: गिरिराज सिंह

बेगूसराय। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को सीआरपीएफ स्थापना दिवस की बधाई देने के साथ राहुल गांधी और बिहार सरकार पर ट्वीट कर जोरदार हमला किया है।

सीआरपीएफ स्थापना दिवस के अवसर पर बधाई देते हुए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि हम सब अपने बहादुर जवानों की अटूट बहादुरी और बलिदान का सम्मान करें। हमारे राष्ट्र की रक्षा के लिए उनका समर्पण सराहनीय है और हमारे लिए अत्यंत सम्मान के पात्र हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सच्चे हिंदू नहीं हो सकते। जिस मुस्लिम लीग को वह धर्मनिरपेक्ष बता कर प्रचारित कर रहे हैं, वह हिंदुओं को जिंदा जलाने और हिंदुओं को रामायण को ना पढ़ने लायक छोड़ने की बात कर रहे हैं। मुस्लिम लीग द्वारा एक नारा तो राहुल गांधी के

खिलाफ भी बनता है, जब वह हिंदू की एक्टिंग करते हुए मंदिर जाते हैं। बिहार सरकार पर हमला करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा है कि बिहार में शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा में सुधार के लिए रोजाना दस पत्र जारी करने का दिखावा किया जा रहा है। हकीकत यह है कि नीतीश सरकार बच्चों को पढ़ने के लिए किताबें तक नहीं दे पा रही है। सत्र के चार माह बीतने के बाद भी सरकारी स्कूल के 30 प्रतिशत से अधिक बच्चों को किताबें नहीं मिली हैं, तो शिक्षा व्यवस्था का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

एम्स के डॉक्टरों का कमाल; पेट छाती से जुड़ी जुड़वा बहनों को 9 घंटे की सर्जरी के बाद किया अलग

नई दिल्ली। एम्स के डॉक्टरों ने करीब नौ घंटे चली सर्जरी में दो ऐसी जुड़वां बहनों को अलग किया है जो जन्म से ही छाती और पेट से एक दूसरे से जुड़ी हुई थीं। इन दोनों बच्चियों का लिवर, छाती की हड्डियां, फेफड़ों का डायफ्राम और यहां तक की दिल से जुड़ी कुछ झिल्लियां भी आपस में जुड़ी हुई थीं। ऐसे में छाती और पेट से चिपके दोनों बच्चों को अलग करने के लिए एम्स के डॉक्टरों ने नौ घंटे की सर्जरी की। इसमें डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ समेत करीब 64 लोगों की टीम ने काम किया। उत्तर प्रदेश के बरेली के रहने वाले अंकुर गुप्ता ने बताया कि जब कुछ समय पहले उनकी पत्नी दीपिका गुप्ता गर्भवती हुई तो हमने बरेली के एक स्थानीय अस्पताल में अल्ट्रासाउंड कराया। यहां जुड़वा बच्चों के आपस में जुड़े होने का पता चला तो स्थानीय डॉक्टर ने कहा कि इनका बचना मुश्किल है। किसी की सलाह पर दीपिका गुप्ता इलाज के लिए एम्स आ गईं। एम्स के एक अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बरेली की जुड़वां बहनें- रिद्धि और सिद्धि एक-दूसरे के सामने छाती और पेट के ऊपरी हिस्से से जुड़ी हुई थीं। दोनों का लिवर और हृदय के क्षेत्र को अलग करना चुनौतीपूर्ण था। जुड़वां बहनों के

बीच प्रमुख अंग साझा थे। इन अंगों में यकृत, हृदय को ढकने वाली परतें, पसली, डायाफ्राम और पेट की दीवार शामिल थीं। दोनों का लिवर और हृदय के क्षेत्र को अलग करना चुनौतीपूर्ण था। सर्जनों की कई टीमों ने बारी-बारी से सर्जरी को सटीक और कुशलता से पूरा किया। बच्चियों को गंभीर देखभाल इकाई में रखा गया था। विभिन्न विभागों के इनपुट और नर्सिंग स्टाफ की कड़ी देखभाल के कारण दोनों स्वस्थ होने में सक्षम हुई हैं। अब वे अस्पताल से छुट्टी के लिए तैयार हैं। बीते तीन वर्षों में प्रोफेसर मीनू बाजपेयी के नेतृत्व में एम्स दिल्ली के बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग द्वारा आयोजित यह तीसरी बेहद मुश्किल सर्जरी थी। टीम ने पिछले तीन वर्षों में संयुक्त जुड़वां बच्चों के तीन जोड़ों को सफलतापूर्वक अलग किया है। जुड़वां बच्चों की पहली और दूसरी जोड़ी कूल्हे से जुड़ी थी। अब ये स्वस्थ हैं। डॉक्टरों का कहना है कि बरेली की रिद्धि और सिद्धि संयुक्त जुड़वां बहनें थीं। संयुक्त जुड़वां बच्चे वे बच्चे होते हैं जो जन्म से ही एक-दूसरे से शारीरिक रूप से जुड़े होते हैं। संयुक्त जुड़वा बच्चों को अलग करना बेहद जोखिम भरा और चुनौतीपूर्ण होता है। ऐसे बच्चों को अलग करने के लिए बेहद जटिल सर्जरी की जरूरत होती है। ऐसी सर्जरी के लिए रेडियोलॉजिस्ट, एनेस्थेसियोलॉजिस्ट, प्लास्टिक सर्जरी, कार्डियोथोरेसिक सर्जन, नर्सिंग समेत विभिन्न विभागों का कोआर्डिनेशन और कार्यान्वयन चाहिए होता है।

जम्मू आधार शिविर से 3111 तीर्थयात्रियों का नया जत्था रवाना

जम्मू। जम्मू कश्मीर के भगवती नगर आधार शिविर से बम बम भोले के जयकारों के बीच 3111 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था गुरुवार को यहां दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित श्री अमरनाथ गुफा तीर्थ के लिए रवाना हुआ।

एक अधिकारी ने बताया कि 3111 तीर्थयात्री 124 वाहनों के काफिले में आधार शिविर से रवाना हुए। इसी तहर 2154 तीर्थयात्रियों (1686 पुरुष, 424 महिलाएं, छह बच्चे और 47 साधु) का एक समूह 83 वाहनों के काफिले में पहलगाम के लिए रवाना हुआ।

बालटाल के लिए 907 तीर्थयात्री (जिनमें 616 पुरुष, 336 महिलाएं और पांच बच्चे शामिल है) कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 41 वाहनों के काफिले में रवाना हुए।

एक जुलाई को शुरू हुई यात्रा 31 अगस्त को समाप्त होगी।

कोयला घोटाला मामले में पूर्व राज्यसभा सांसद को चार साल की सजा

नयी दिल्ली। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक विशेष अदालत ने सजा की मात्रा पर बहस सुनने के बाद छत्तीसगढ़ में कोयला ब्लॉक आवंटन में अनियमितता से जुड़े एक मामले में पूर्व राज्यसभा सांसद विजय दर्डा को चार साल कैद की सजा सुनाई है।

इस मामले में दर्डा के साथ उनके बेटे देवेंदर दर्डा और मेसर्स जेएलडी यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मनोज कुमार जयसवाल को भी चार साल कैद की सजा सुनाई गई। इसके अलावा दिल्ली की इस अदालत ने बुधवार को इस मामले में पूर्व कोयला सचिव एच.सी.गुप्ता और दो लोक सेवकों - केएस क्रोफा और केसी सामरिया - को तीन साल की सजा सुनाई।

सीबीआई के विशेष न्यायाधीश संजय बंसल ने दलीलें सुनने के बाद 13 जुलाई को पूर्व राज्यसभा सांसद विजय दर्डा और पूर्व कोयला सचिव एचसी गुप्ता, दर्डा के बेटे देवेंद्र दर्डा, केएस क्रोफा और केसी सामरिया, मेसर्स जेएलडी यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड और इसके निदेशक मनोज कुमार जयसवाल के खिलाफ दोषसिद्धि का आदेश पारित किया।

अदालत ने सभी आरोपियों को भारतीय दंड संहिता (भादस) के तहत परिभाषित धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) और धारा 420 (धोखाधड़ी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया।

अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी, 420 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की कई अन्य धाराओं के तहत अपराध के लिए मेसर्स जेएलडी यवतमाल एनर्जी लिमिटेड पर 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

अदालत ने कंपनी को भादस की धारा 420 के तहत गंभीर अपराध के लिए 25 लाख रुपये का जुर्माना भरने की सजा भी सुनाई। सीबीआई कोर्ट ने नवंबर 2014 में सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार करने से इनकार करते हुए केंद्रीय एजेंसी को मामले में आगे की जांच करने का निर्देश दिया था।

स्कूल बंद, एग्जाम कैंसिल, पहली बार जुलाई में इतना नहाई मुंबई

आईएमडी की भविष्यवाणी ने भी डराया

मुंबई। आर्थिक राजधानी मुंबई में भारी बारिश का दौर जारी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग यानी ढ्रस्ष्ठ ने भी शहर में रेड अलर्ट जारी कर दिया है। खबर है कि मुंबई समेत आसपास के कई इलाकों में अति भारी बारिश की संभावनाएं हैं। इधर, बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने एहतियात के मद्देनजर सभी स्कूल-कॉलेज बंद करने का ऐलान किया है। बारिश से मुंबई का कोलाबा सबसे ज्यादा प्रभावित नजर आ रहा है।

इतिहास में पहली बार जुलाई में इतनी भीगी मुंबई

अधिकारियों का कहना है कि इतिहास में पहली बार मुंबई में इतनी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। इससे पहले यह रिकॉर्ड साल 2020 में दर्ज हुआ था। उस दौरान सांताक्रूज में 1502 मिमी बारिश हुई थी। 2023 में 1 जुलाई से 26 जुलाई की सुबह तक यह आंकड़ा 1433 मिमी पर पहुंच गया था। गुरुवार को यह रिकॉर्ड 1557.8 मिमी पहुंचते ही टूट गया।

कोलाबा में सबसे ज्यादा बारिश

IMD ने बताया है कि मुंबई के कोलाबा में 24 घंटों के अंदर सबसे भारी बारिश हुई है। इस दौरान यहां तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस और बारिश 223.2 मिमी दर्ज की गई। जबकि, सांताक्रूज में यह आंकड़ा 24.4 डिग्री सेल्सियस था और यहां 145.1 मिमी बारिश हुई है। मुंबई और उपनगरीय इलाकों में गुरुवार दोपहर तक के लिए पहले ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था, जिसे बाद में बढ़ाकर रेड अलर्ट किया गया।

उफान पर झीलें पर जारी रहेगा वॉटर कट

मुंबई में भारी बारिश ने झीलों को लबालब कर दिया है, लेकिन इससे मुंबईवासियों की वॉटर कट या पानी की कटौती की समस्या तुरंत हल नहीं होगी। बुधवार तक शहर की कई झीलों में अधिकतम क्षमता तक पानी आ गया था। इसी बीच बीएमसी ने साफ कर दिया है कि जब सभी सात झीलों में कुल स्टॉक 70 फीसदी के आंकड़े को पार नहीं कर लेता तब तक 10 फीसदी पानी की कटौती जारी रहेगी। विहार और तानसा झीलें भर चुकी हैं।

24 घंटे में 100 मिमी से ज्यादा बारिश

दक्षिण मुंबई ने मूसलाधार बारिश का सामना किया। आंकड़े बताते हैं कि बुधवार सुबह 8.30 से गुरुवार सुबह 8.30 तक कई इलाकों में 100 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। इनमें कोलाबा (223.2 मिमी), सांताक्रूज (145.1 मिमी), बांद्रा (106 मिमी), राम मंदिर (161 मिमी), भायखला (119 मिमी), CSMT (153.5 मिमी) और सियोन (112 मिमी) का नाम शामिल है। इसके अलावा दहिसर में 70.5, चेंबूर में 86.5 और माटुंगा मं 78.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

स्कूल बंद, परिक्षाएं भी नहीं होंगी

बीएमसी ने भारी बारिश के कारण शहर के स्कूल-कॉलेज बंद करने का फैसला किया है। वहीं, रेड अलर्ट के बीच मुंबई यूनिवर्सिटी ने गुरुवार को होने वाली सभी परीक्षाएं भी कैंसिल कर दी हैं। इस संबंध में बुधवार को विश्वविद्यालय बोर्ड की ओर से सर्कुलर भी जारी कर दिया है।

मालडुंगा पॉइंट पर भूस्खलन

खबर है कि बारिश के बीच मथेरन के मालडुंगा पॉइंट पर भूस्खलन हो गया है। ऐसे में पर्यटकों के लिए फिलहाल जगह को बंद कर दिया है। हालांकि, राहत की बात है कि बस्ती नहीं होने के कारण यहां जनहानि नहीं हुई। रायगढ़ की घटना के वक्त महाराष्ट्र उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी कहा था कि भूस्खलन की घटनाओं का पैटर्न बदल रहा है।

सतारा में भी रेड अलर्ट, बांध का जलस्तर बढ़ा

महाराष्ट्र के सतारा जिले में भी रेड अलर्ट जारी किया गया है। जिले के पश्चिमी हिस्से में लगातार बारिश हो रही है। इसी बीच सतारा शहर के पास कन्हेर डेम का जलस्तर भी बढ़ा है। फिलहाल, बांध 57 प्रतिशत भरा हुआ है और जिला प्रशासन भी सुरक्षा के संबंध में तैयार नजर आ रहा है।

समझनी ही होगी प्रकृति की मूक भाषा

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस

योगेश कुमार गोयल

जहां तक संभव हो, वर्षा के जल को सहेजने के प्रबंध करें। प्लास्टिक की थैलियों को अलविदा कहते हुए कपड़े या जूट के बने थैलों के उपयोग को बढ़ावा दें। बिजली बचाकर ऊर्जा संरक्षण में अपना अमूल्य योगदान दें। आज के डिजिटल युग में तमाम बिलों के ऑनलाइन भुगतान की ही व्यवस्था हो ताकि कागज की बचत की जा सके और कागज बनाने के लिए वृक्षों पर कम से कम कुल्हाड़ी चले। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने की जरूरत अब कई गुना बढ़ गई है।

प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के आज जो भयावह खतरे हमारे सामने आ रहे हैं, उनसे शायद ही कोई अनभिज्ञ हो और हमें यह स्वीकार करने से भी गुरेज नहीं करना चाहिए कि इस तरह की समस्याओं के लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार हम स्वयं भी हैं। पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। हमें यह भली-भांति जान लेना चाहिए कि इन प्रजातियों के लुप्त होने का सीधा असर समस्त मानव सभ्यता पर पड़ना अवश्वम्भावी है। सबसे पहले यह जानना बेहद जरूरी है कि प्रकृति आखिर है क्या? चर्चित पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ण पुस्तक में बताया गया है कि प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जल, जंगल और जमीन, जिनके बगैर प्रकृति अधूरी है और यह विड़म्बना ही है प्रकृति के इन तीनों ही तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका संतुलन डगमगाने लगा है, जिसकी परिणति अक्सर भयावह प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने भी आने लगी है। प्राकृतिक साधनों के अंधाधुंध दोहन और प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही नतीजा है कि पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर तो प्रतिकूल प्रभाव पड़ ही रहा है, जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां भी लुप्त हो रही हैं। पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है।

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए जल, जंगल, वन्य जीव और वनस्पति, इन सभी का संरक्षण अत्यावश्यक है। दुनियाभर में पानी की कमी के गहराते संकट की बात हो या ग्लोबल वार्मिंग के चलते धरती के तपने की अथवा धरती से एक-एक कर वनस्पतियों या जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने की, इस तरह की समस्याओं के लिए केवल सरकारों का मुंह ताकते रहने से ही हमें कुछ हासिल नहीं होगा बल्कि प्रकृति संरक्षण के लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर अपना योगदान देना होगा। प्रकृति के

साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ हवा के लिए जाने जाते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी अब तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है, वहां भी बाढ़ का ताण्डव देखा जाने लगा है। इसका एक बड़ा कारण पहाड़ों में भी विकास के नाम पर जंगलों का सफाया करने के साथ-साथ पहाड़ों में बढ़ती पर्यटकों की भारी भीड़ भी है। कोई भी बड़ी प्राकृतिक आपदा सामने आने पर हम आदतन प्रकृति को कोसना शुरू कर देते हैं लेकिन हम नहीं समझना चाहते कि प्रकृति तो रह-रहकर अपना रौद्र रूप दिखाकर हमें सचेत करने का प्रयास करती रही है कि अगर हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

प्रकृति हमारी मां के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढ़ेरों बहुमूल्य चीजें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं बल्कि दोषी तो हम स्वयं हैं, जो इतने साधनपरस्त और आलसी हो चुके हैं कि अगर हमें अपने घर से थोड़ी ही दूरी से भी कोई सामान लाना पड़े तो पैदल चलना हमें गवारा नहीं। इस छोटी सी दूरी के लिए भी हम स्कूटर या बाइक का सहारा लेते हैं। छोटे-मोटे कार्यों की पूर्ति के लिए भी निजी यातायात के साधनों का उपयोग कर हम पैट्रोल, डीजल जैसे धरती पर ईंधन के सीमित स्त्रोतों को तो नष्ट कर ही रहे हैं, पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं और पैदल चलना छोड़कर अपने स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ रहे हैं। हमारे क्रियाकलापों के चलते ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतना बढ़ गया है कि हमें वातावरण में इन्हीं प्रदूषित तत्वों की मौजूदगी के कारण सांस की बीमारियों के साथ-साथ टीबी, कैंसर जैसी कई और असाध्य बीमारियां जकड़ने लगी हैं। पैट्रोल, डीजल से पैदा होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड और ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है।

पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए जरूरत है कि हम अपने-अपने स्तर पर वृक्षारोपण में दिलचस्पी लें और पौधारोपण के पश्चात उन पौधों की अपने बच्चों की भांति ही देखभाल भी करें। पर्यावरणीय असंतुलन के बढ़ते खतरों के मद्देनजर हमें खुद सोचना होगा कि हम अपने स्तर पर प्रकृति संरक्षण के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। अगर हम वाकई चाहते हैं कि हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां साफ-सुथरे वातावरण में बीमारी मुक्त जीवन जीएं तो हमें अपनी इस सोच को बदलना होगा कि यदि सामने वाला व्यक्ति कुछ नहीं कर रहा तो मैं ही क्यों करूं? अपनी छोटी-छोटी पहल से हम सब मिलकर प्रकृति संरक्षण के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। हम प्रयास कर सकते हैं कि हमारे दैनिक क्रियाकलापों से हानिकारक कार्बन डाई ऑक्साइड जैसी गैसों का वातावरण में उत्सर्जन कम से कम हो। पानी की बचत के तरीके अपनाते हुए जमीनी पानी का उपयोग भी हम केवल अपनी आवश्यकतानुसार ही करें।

जहां तक संभव हो, वर्षा के जल को सहेजने के प्रबंध करें। प्लास्टिक की थैलियों को अलविदा कहते हुए कपड़े या जूट के बने थैलों के उपयोग को बढ़ावा दें। बिजली बचाकर ऊर्जा संरक्षण में अपना अमूल्य योगदान दें। आज के डिजिटल युग में तमाम बिलों के ऑनलाइन भुगतान की ही व्यवस्था हो ताकि कागज की बचत की जा सके और कागज बनाने के लिए वृक्षों पर कम से कम कुल्हाड़ी चले। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने की जरूरत अब कई गुना बढ़ गई है। कितना ही अच्छा हो, अगर हम सब प्रकृति संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लेते हुए अपने-अपने स्तर पर उस पर ईमानदारी से अमल भी करें। प्रकृति बार-बार अपनी मूक भाषा में चेतावनियां देकर हमें सचेत करती रही है, इसलिए स्वच्छ और बेहतर पर्यावरण के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति की इस मूक भाषा को समझें और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना-अपना योगदान दें।

संपादकीय

नाम तो काम से ही

नाम पर घमासान मचा हुआ है। 2024 के लोकतांत्रिक महाभारत में अभी लंबा समय है। लेकिन पक्ष-विपक्ष ने जैसे ठान रखा है कि असली चुनावी लड़ाई गठबंधन के नाम पर होनी है। इसके ईद-गिर्द ही आक्रमण के मुद्दे तय होंगे, नारे गढ़े जाएंगे, जुमले उछाले जाएंगे और वार-प्रतिवार के औजार ईजाद किए जाएंगे। इस तरह नाम को जो तार-तार कर देगा, उसकी जीत पक्की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कांग्रेस समेत 26 राजनीतिक दलों के ताजा बने गठबंधन 'इंडिया' पर हमलावर हैं। इस कदर कि वे उस पर बाण छोड़ने का कोई मौका नहीं चूकते। विपक्ष के लिए तो मोदी अकेले ही पूरा मुद्दा हैं। उसने 'इंडिया' नाम मोदी और एनडीए को उनके ही दांव-पेच से चित करने के लिए रखा है। यह मोदी को भारत की अवधारणा का सबसे बड़ा 'खलनायक' घोषित कर सारी लड़ाई को मोदी बनाम पूरे देश का नैरेटिव बनाने के मकसद से किया गया है। उसके अनुरूप ही यह नाम नैसर्गिक रूप से मतदाताओं में खिंचाव पैदा कर रहा है। मोदी के आवर्ती प्रतिवार में इसलिए तेज धार और मारकता है। विपक्ष मोदी के वार को बोनस मान रहा है। प्रधानमंत्री विपक्ष के 'इंडिया' को देश को गुलाम बनाने वाली ईस्ट इंडिया कंपनी के समानुरूप करार देते हैं। वे वोटरों के जेहन में यह बात गहरे बैठाना चाहते हैं कि यह गठबंधन ऐसा गिरोह है, जिसका इतिहास जनता के सपनों की लूट का रहा है। वे कांग्रेस की अगुवाई वाले यूपीए-काल में सार्वजनिक धन की चौतरफा लूट की कड़वी याद दिलाना चाहते हैं। प्रतिपक्ष पर बढ़त बनाने के लिए दोनों पक्ष एक दायरे में कुछ भी बोल सकते हैं पर उन्हें यह भी समझना होगा कि ठोस कार्यक्रमों के बिना केवल नाम के सहारे नैया पार नहीं लगेगी। एनडीए को समझना होगा कि 'इंडिया' पर उसका वार दोधारी तलवार की तरह काम करेगा। एक तो हमारा देश ही इंडिया है। दूसरे, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल में कई ऐसी योजनाएं शुरू की हैं, जिनके आदि या अंत में इंडिया आता है। इसलिए एनडीए को यह आरोप लगाने की भी सुविधा नहीं है कि विपक्ष जिस देश की बात कर रहा है, उस इंडिया में केवल अमीर लोग रहते हैं, और असल भारत की अकेली चिंता वही कर रहा है। 'इंडिया' वालों ने नाम के आगे 'जीतेगा भारत' लिखकर उससे यह नैरेटिव भी छीन लिया है। इसलिए विपक्ष को पटखनी देने के लिए एनडीए को और अखाड़ा खोजना होगा। यह मुश्किल भी नहीं है। बस अपना रिपोर्ट कार्ड ठीक करना है-मणिपुर उसका पहला चरण होगा। काम के बिना नाम-वाम कहां चल पाता है।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है।

दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं।

और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं।

मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैंः हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। ऐसे ही हो तुम, जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे पर खड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लाते होः प्यासा हूं, मैं जल चाहता हूं!ह्ण झुको और पीओ! गंगा सामने बहती है। और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

60 साल में लोकसभा में पेश हुए 28 अविश्वास प्रस्ताव

सनत जैन

भारतीय संसद में अविश्वास प्रस्ताव, पिछले 60 वर्षों में 28 वीं वार लाया गया है। विपक्षी दल जब सरकार उनकी बात सुनती नहीं है, या विपक्ष सरकार के कामकाज को लेकर सत्ता पक्ष पर हमलावर होता है। उस समय अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से विपक्ष अपनी बात बेहतर तरीके से सदन के सामने रख पाता है। अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से अभी तक केवल एक बार ही केंद्र सरकार गिरी है। वर्ष 1979 में मोरारजी देसाई की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था। मतदान के पहले ही मोरारजी देसाई ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। यह अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस की ओर से वाईवी चव्हाण द्वारा प्रस्तुत किया गया था। वहीं 1992 में पीवी नरसिम्हा राव के 5 साल के कार्यकाल में 3 बार अविश्वास प्रस्ताव आये। पहला अविश्वास प्रस्ताव जसवंत सिंह ने 1992 में पेश किया था। जिसमें 46 मतों के अंतर से सरकार अविश्वास प्रस्ताव को गिराने में सफल रही। वहीं 1993 में दूसरा अविश्वास प्रस्ताव अटल बिहारी बाजपेई के द्वारा प्रस्तुत किया गया था। इस को बचाने में सरकार सफल रही। 1993 में तीसरी बार पीवी नरसिंहराव सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया। तब झारखंड मुक्ति मोर्चा के लोकसभा सदस्यों ने सरकार को समर्थन दिया, और सरकार अविश्वास प्रस्ताव में हुए मतदान में 14 मतों से जीत गई। नोट देकर वोट लेने का आरोप नरसिंहराव सरकार पर,उस समय विपक्ष ने लगाया था. इसकी जांच भी हुई बाद में मामला अदालत तक गया था।

सरकार के खिलाफ लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव संसद के नियम 198 के तहत लाया जा सकता है। 1952 में इस नियम में 30 लोकसभा सदस्यों के समर्थन का प्रावधान था। जो अब बढ़कर 50 सदस्यों के समर्थन जरूरी हो गया है। अविश्वास प्रस्ताव मूल रूप से विपक्ष जब अपनी बात बड़े आक्रमक तरह से सरकार के पास पहुंचाना चाहता है। सरकार उसकी बात सुनने को तैयार नहीं होती है। विपक्ष अमूमन अविश्वास प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा हो। सरकार को बेहतर तरीके से सदन में घेरा जा सके। इसके लिए अविश्वास प्रस्ताव लाता है। देश का पहला अविश्वास प्रस्ताव 1963 में जवाहरलाल नेहरु की सरकार के खिलाफ आया था। उस समय चीन से हुए युद्ध में भारत की हार हुई थी। 1964 से लेकर 1975 तक 15 अविश्वास प्रस्ताव संसद में प्रस्तुत हुए। इनमें से तीन पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के खिलाफ थे। सबसे ज्यादा अविश्वास प्रस्ताव पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ पेश हुए हैं। जिनकी संख्या 15 है। भारतीय संसद के इतिहास में सबसे लंबी 24 घंटे की चर्चा अविश्वास प्रस्ताव पर 1964 में हुई थी। जब प्रधानमंत्री के पद पर लाल बहादुर शास्त्री थे। अटल बिहारी वाजपेई सरकार के खिलाफ 2003 में सोनिया गांधी ने अविश्वास प्रस्ताव रखा था। 189 के मुकाबले 314 मतों के अंतर से सदन में अविश्वास प्रस्ताव खारिज हो गया था।

अविश्वास प्रस्ताव की तरह विश्वास प्रस्ताव का भी प्रावधान संसद के नियमों में है। विश्वास प्रस्ताव पेश करने के बाद तीन सरकारों को पराजय का सामना करना पड़ा। विश्वास प्रस्ताव में जो सरकारें सदन में गिर गई। उनमे 1990 में वीपी सिंह की सरकार, 1997 में एचडी देवघोड़ा की सरकार, 1999 में अटल बिहारी वाजपेई की सरकार, विश्वास मत सदन में हासिल नहीं कर पाई। जिसके कारण उन्हें प्रधानमंत्री पद खोना पड़ा।

अभी जो अविश्वास प्रस्ताव इंडिया द्वारा लाया गया है. इसे कांग्रेस के एक सांसद द्वारा प्रस्तुत किया गया है. विपक्षी दलों में शामिल जो 26 राजनीतिक दल इंडिया में शामिल है. इंडिया के सभी दलों ने अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया है। यह माना जाता है, कि अविश्वास प्रस्ताव पेश होने के बाद सदन में सरकार जल्द से जल्द चर्चा करा लेती है। अविश्वास प्रस्ताव पेश होने के बाद यह माना जाता है, कि सरकार नैतिकता के आधार पर कोई भी कामकाज नहीं कर सकती है। अभी तक जितने भी अविश्वास प्रस्ताव पेश हुए हैं। उनमें परंपरा के अनुसार 24 घंटे के अंदर ही प्रस्ताव पर चर्चा सदन के अंदर कराई गई है। यह पहला मौका है, अभी तक इस मामले में लोकसभा अध्यक्ष ने कोई निर्णय नहीं किया है। जिसके कारण पहली बार अविश्वास प्रस्ताव में चर्चा को लेकर, अविश्वास विपक्ष के बीच में बना हुआ है। निश्चित रूप से विपक्ष द्वारा जो अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। उससे सरकार को कोई खतरा नहीं है। लेकिन इतना तय है, कि सरकार को अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से विपक्ष के सवालों का जवाब देना जरूरी हो जाता है। लेकिन अब ऐसा नहीं रहा, सरकार बहुत सारे मामले में विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों का जवाब ना देकर ही अपना बचाव कर लेती है। लेकिन विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दे संसद की कार्यवाही में रिकॉर्ड हो जाते हैं। इस तरह के दर्जनों उदाहरण केंद्र एवं राज्यों में कई बार देखने को मिले हैं। हां मणिपुर की घटना को लेकर विपक्ष इस बार जो अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया है। उसको लेकर विपक्ष जरूर उत्साहित है। इसका असर 2024 के लोकसभा चुनाव में अवश्य पड़ेगा। उससे विपक्ष लाभान्वित होगा।

मुद्दा :मातृभाषा में शिक्षा क्यों जरूरी

डॉ. आर.के. सिन्हा

अभी कुछ दिन पहले ही केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने एक बेहद जरूरी फैसला लिया। अब सीबीएसई स्कूलों को प्री-प्राइमरी से 12वीं कक्षा तक क्षेत्रीय और मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने का विकल्प देगा।

अब तक, राज्य बोर्ड स्कूलों के विपरीत, सीबीएसई स्कूलों में केवल अंग्रेजी और हिन्दी माध्यम ही शिक्षा प्राप्त करने का विकल्प था। बेशक, यह युगांतकारी फैसला है।

भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर ने भी अपनी स्कूली शिक्षा क्रमशः अपनी मातृभाषाओं हिन्दी और मराठी में ही ली थी। दोनों आगे चलकर अंग्रेजी में भी महारत हासिल करने में सफल रहे यानी आप प्राइमरी तक अपनी मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने के बाद भी बेहतर ढंग से आगे बढ़ सकते हैं। टाटा समूह के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने भी अपनी स्कूली शिक्षा अपनी मातृभाषा तमिल में ली थी। इंजीनियरिंग की डिग्री रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज (आरईसी), त्रिचि से हासिल की। यह जानकारी महत्वपूर्ण इस दृष्टि से है कि तमिल भाषा से स्कूली शिक्षा लेने वाले विद्यार्थी ने आगे चलकर अंग्रेजी में महारत हासिल की और कॅरियर के शिखर को छुआ। बेशक, भारत में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में शिक्षा ग्रहण करने की अंधी दौड़ के चलते अधिकतर बच्चे असली शिक्षा पाने के आनंद से वंचित रह जाते हैं। असली शिक्षा का आनंद तो आप तब ही पा सकते हैं, जब आपने पांचवी तक की शिक्षा अपनी मातृभाषा में ही हासिल की हो। अध्ययनों से प्रमाणित हो चुका है कि जो बच्चे मातृभाषा में स्कूली शिक्षा प्राप्त करते हैं, वे अधिक सीखते हैं। यहां अंग्रेजी का विरोध नहीं है, या अंग्रेजी शिक्षा या अध्ययन को लेकर कोई आपत्ति भी नहीं है पर भारत को अपनी भाषाओं, चाहे हिन्दी, तमिल, बांग्ला या कोई अन्य, में प्राइमरी स्कूली शिक्षा देने के संबंध में तो बहुत पहले ही फैसला ले लेना चाहिए था क्योंकि उसके बिना बच्चों को सही शिक्षा तो नहीं दी जा सकती।

याद रखें कि शिक्षा का अर्थ है ज्ञान। बच्चे को ज्ञान कहां मिला? हम तो उन्हें नौकरी पाने के लिए तैयार कर रहे हैं। आजादी के बाद हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं के उत्थान का जो सपना देखा गया था, वह दस्तावेज और सरकारी कार्यक्रमों में दबकर रह गया। हम जानते हैं कि सारे देश में अंग्रेजी माध्यम से स्कूली शिक्षा लेने-देने की महामारी ने अखिल भारतीय स्वरूप ले लिया है। जम्मू-कश्मीर तथा नागालैंड ने अपने सभी स्कूलों में शिक्षा का एकमात्र माध्यम अंग्रेजी कर दिया है। महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडू समेत कुछ और राज्यों में छात्रों को विकल्प दिए जा रहे हैं कि चाहें तो अपनी पढ़ाई का माध्यम अंग्रेजी रख सकते हैं यानी बच्चों को उनकी मातृभाषा से दूर करने की भरपूर कोशिशें हुई। मुझे मेरे एक मित्र, जो राजधानी के मशहूर स्कूल के प्रधानाचार्य रहे हैं, बता रहे थे कि जब वे हरियाणा के करनाल जिले के एक ग्रामीण इलाके में पढ़ा रहे थे तो उन्हें नया अनुभव हुआ।

वहां पर माता-पिता के साथ बच्चे खुशी-खुशी स्कूल में दाखिला लेने आते। लेकिन, स्कूल में कुछ दिन बिताने के बाद उनका स्कूल से मोहभंग होने लगता। वे कहने लगते कि उन्हें तो पढ़ना आता ही नहीं। वे धीरे-धीरे चुप रहने लगते कक्षा में। वजह यह थी कि उन्हें पढ़ाया जाता था अंग्रेजी में। उन्हें उनकी मातृभाषा में पढ़ाया जाता तो शायद उनका स्कूल और पढ़ाई से मोहभंग न होता। इस स्थिति के कारण अनेक बच्चे बीच में ही पढ़ाई छोड़ भी देते हैं। विद्यार्थियों को मातृभाषा में शिक्षा देना मनोवैज्ञानिक और व्यावहारिक रूप से वांछनीय है क्योंकि विद्यालय आने पर बच्चे अपनी भाषा में पढ़ते हैं, तो विद्यालय में आत्मीयता का अनुभव करने लगते हैं और यदि उन्हें सब कुछ उन्हीं की भाषा में पढ़ाया जाता है, तो उनके लिए सारी चीजों को समझना बेहद आसान हो जाता है।

समूचे संसार के भाषा-वैज्ञानिकों, अध्यापकों और शिक्षा से जुड़े जानकारों की राय है कि बच्चा सबसे आराम से अपनी भाषा में पढ़ाए जाने पर ही शिक्षा ग्रहण करता है। जैसे ही उसे किसी अन्य भाषा में पढ़ाया जाने लगता है, तब ही गड़बड़ चालू हो जाती है पर हमारे देश में तो यही होता चला आ रहा है। अफसोस कि हमारे देश के एक बड़े वर्ग ने मान लिया है कि अंग्रेजी जाने-समझे बिना गति नहीं है। बेशक, इसी मानसिकता के चलते हमारे समाज का बड़ा हिस्सा अपनी आय का बड़ा भाग अपने बच्चों को कथित अंग्रेजी स्कूलों में भेजने पर खर्च करने लगा है। एक अनुमान के मुताबिक, वर्तमान में भारत के 25 फीसद स्कूली बच्चे उन स्कूलों में पढ़ाई शुरू करने लगे हैं, जहां पर मातृभाषा की बजाय शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। इन बच्चों को शिक्षा का आनंद आ ही नहीं सकता और इनमें से अनेक अंग्रेजी की अनिवार्यता के चलते स्कूलों को छोड़ देते हैं। बहरहाल, सीबीएसई के ताजा फैसले से यह उम्मीद अवश्य जागी है कि चलो, हमने भी भारत की अपनी भाषाओं को सम्मान देना, भले ही देर से, चालू तो किया।

शिव सेना ने मनाया उद्धव ठाकरे का 63वा जन्मदिन

धामपुर :- शिवाजी पाक धामपुर में शिव सेना उद्धव बाला साहेब ठाकरे जी के शिव सेना पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे जी का 63 वा जन्मदिन बडी धूम धाम से केक काटकर, व लड्डू वितरण कर मनाया गया ।शिव सेना जिंदाबाद,जिंदाबाद,उद्धव ठाकरे जिंदाबाद जिंदाबाद के जोर दार नारे लगाए गए हैं ।और उद्धव साहेब ठाकरे व शिव सेना के सिद्धांतो पर चलने का संकल्प लिया । कार्यक्रम में अथिति के रूप में पधारे प्रदेश महासचिव रविंद्र संघर्षी ने कहा। कि शिव सेना माननीय उद्धव ठाकरे जी के नेतृत्व में निरंतर बढ़ती जा रही है ।और अपने शिव सेना के पुराने

सिद्धांतो 20 प्रतिशत राजनीति और 80 प्रतिशत समाजसेवा व जाति तोड़ो समाज जोड़ो आदि पर आज भी एडिंग रहते हुए काम कर रही है।और सर्व समाज शिव सेना से घर घर से जुड़ रहा है।वहीं शिव सेना मंडल प्रमुख आर.के.आर्य एडवोकेट ने कहा कि आज उद्धव साहेब ठाकरे जी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर सभी शिव सैनिक /पदाधिकारी यह संकल्प ले की नगर नगर ,गांव गांव जाकर प्रत्येक घर से एक एक व्यक्ति को शिव सेना से जोड़ने का काम करेंगे।और विशेष अभियान चलाकर 50,000 शिव सैनिक जिला बिजनौर में बनाए जायेंगे।ओर पूर्व जिला प्रमुख ग्रामीण/नगर चौधरी संजय राणा,विकास त्यागी ने कहा कि मात्र शिव सेना ही एक ऐसी पार्टी है ।जो गरीब, मजलूमों,की आवाज उठाती है और जब तक उन्हें न्याय नही मिलता तक तक चैन से नहीं बैठती है जो कहती है वो शिव सेना कर के दिखाती है शिव सेना की कहनी और करनी में कोई अंतर नही है।, कार्यक्रम में ब्रजमोहन प्रजापति,विनोद चौहान, क्षेत्रपाल प्रजापति,हरीश शर्मा,अशोक शर्मा,सरदार कुलदीप सिंह,सरदार अर्जुन सिंह,मनवीर यादव,गौरव प्रजापति,कार्तिक प्रजापति,सौरभ जाटव,निक्की जाटव, आशीष सैनी,नीरज प्रजापति,आशीष सैनी,महेंद्र सिरोही,राजुसैनी,अनिल, दीपक, राहुल,विपिन, राम सिंह, अमरसिंह,क्रांति देवी,शांति देवी,सुखिया देवी,साक्षी सैनी,नीतू रानी,किरन देवी ,अनीता देवी, दुलारी देवी आदि भारी संख्या में महिलाएं भी सम्मलित रही।

उप्र सरकार की स्वास्थ्य मेला और ई-रुपी योजनाओं को पूरे देश में लागू करेंगे : मांडविया

संवाददाता

लखनऊ। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की स्वास्थ्य मेला, ई-रुपी आदि योजनाओं को केन्द्र सरकार पूरे देश में लागू करेगी। मांडविया ने यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और बाद में रायबरेली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का दौरा करके वहां कई इकाइयों का लोकार्पण किया। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने बाद में संवाददताओं से बातचीत में कहा कि आज बैठक में दिये गये प्रस्तुतीकरण में पेश की गयी राज्य सरकार की कई योजनाओं को एक मॉडल के तौर पर पूरे देश में लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा, प्रदेश के प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर हर हफ्ते स्वास्थ्य मेला लगता है। इसमें ढाई से तीन लाख गरीब लोगों का इलाज होता है। इस मॉडल को हम पूरे देश में लागू करेंगे ताकि सारे देश में भी हर सप्ताह स्वास्थ्य मेला लगाया जाए। उन्होंने कहा, ;सरकार ने टीकाकरण पर नजर रखने के लिये डिजिटल प्लेटफार्म बनाया है जो बहुत अच्छा है। सभी अस्पतालों में ऑपरेशन थियेटरों का कितना इस्तेमाल हो रहा है, इसकी सूचना के लिये उत्तर प्रदेश सरकार ने एक पोर्टल तैयार किया है। इसे हम राष्ट्रीय स्तर पर लागू करेंगे।केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, ह्वस्वास्थ्य योजनाओं के लाभार्थियों को राज्य सरकार ई-रुपी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खाते में धन दे रही है। ऐसा करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है। ई-रुपी योजना को भी हम पूरे देश में लागू करेंगे। उत्तर प्रदेश जिस तरह स्वास्थ्य क्षेत्र में बदलाव कर रहा है, मुझे लगता है कि आने वाले दिनों में राज्य के नागरिकों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित किया जा सकेगा। मांडविया ने एक सवाल के जवाब में कहा कि माना जा सकता है कि कोरोना महामारी खत्म हो चुकी है लेकिन देश में अब भी इसके इक्का-दुक्का मामले सामने आ रहे हैं, इसलिये सतर्क रहना जरूरी है। कोविड के दौरान अस्थायी रूप से रखे गये और बाद में हटाये गये वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों के समायोजन की सम्भावनाओं के सवाल पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कोई साफ जवाब नहीं देते हुए कहा, अस्थाई आधार पर श्रमशक्ति को रखा गया था, अगर सरकार के उपास उनका उपयोग है तो ऐसा किया जाएगा। सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी के बारे में पूछे गये एक सवाल पर मांडविया ने कहा, मेडिकल कॉलेज में सीटें बढ़ायी गयी हैं। मेडिकल के छात्र पांच साल बाद चिकित्सक बनकर सामने आयेंगे तो चिकित्सकों की कमी पूरी होगी।

डबल इंजन सरकार का एक ही लक्ष्य, समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को मिले सम्पूर्ण आरोग्यताः मुख्यमंत्री

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया जी के साथ उत्तर प्रदेश में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाओं को और अधिक जनोपयोगी बनाने के उद्देश्य से केंद्र व राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने उत्तर प्रदेश में संचालित 'ई-रूपी वाउचर, ई-कवच, केयर और यूनिफाइड डिजीज सर्विलांस पोर्टल मॉडल की सराहना की और विभागीय अधिकारियों को प्रेजेंटेशन देने दिल्ली आमंत्रित किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भारत सरकार की टीम के उत्तर प्रदेश आगमन पर अभिनन्दन करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 2014 के पहले राज्यों के अधिकारी दिल्ली की परिक्रमा किया करते थे, लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती थी, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री स्वयं राज्यों में भ्रमण कर उनकी आशा अपेक्षा और आवश्यकता जान रहे हैं और उसी अनुरूप निर्णय ले रहे हैं। यह संवैधानिक व्यवस्थाओं के पालन का बेहतरीन उदाहरण है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने इस दिशा में अनेक प्रयास किये हैं। इंसेफेलाइटिस उन्मूलन के प्रयासों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 40 वर्षों में 50 हजार से ज्यादा बच्चे इस बीमारी के कारण असमय काल कवलित हो गए। आज एईएस के रोग मृत्यु दर में 95% की कमी आ चुकी है, जबकि जेई के रोगियों की मृत्यु 96% तक कम हुई है।

एडवोकेट उषा वर्मा बनी भ्रष्टाचार उन्मूलन सभा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष

संस्कार उजाला

नोएडा। जिला गौतमबुद्ध नगर जिला अधयक्ष युवा भष्ट्राचार उनूमूलून सभा अखिल भारत हिन्दू महा सभा से सुश्री एडवोकेट उषा वर्मा जी को महिला मोर्चा की जिला अधयक्ष नियुक्त किया जाता है! इनकी नियुक्ति अनुशासा श्री माँ डा, प्रोफेसर नीरन गौतम जी राष्ट्रीय उपाधयक्ष, श्री राष्ट्रीय धर्म प्रचारक राष्ट्रीय सगठन मनतरी श्री मति शीतल तिवारी जी जिला गौतमबुद्ध नगर जिला महासचिव भष्ट्राचार उनूमूलून सभा श्री आर डी तिवारी जी पीपल महादेव मदिर डेलटा वन ग्रेटर नोएडा, एवं सु श्री राष्ट्रीय उपाधयक्ष श्री मति मजिलं शर्मा नानावती गुजरात, अहमदाबाद, एवं श्री मति कलपना अग्रवाल जी दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष महिला विग कुमारी सोना अवस्थी कानपुर महानगर अध्यक्ष युवा महिला मोर्चा, एवं श्री ब्रिकम वैशय राष्ट्रीय महासचिव, एवं राष्ट्रीय उपाधयक्ष माँ अनिल तिरपाठी जी हमारी

राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारत हिन्दू महा सभा सु श्री राज श्री वोस नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पौत्री जी एवं उत्तर प्रदेश प्रदेश एवं शीलेद शर्मा प्रदेश उपाधयक्ष उत्तर प्रदेश महासचिव श्री ठाकुर धरमेनद कुशवाहा जी भगवान पुरा बुशहर श्री तेज बहादुर सिंह ठाकुर वलिया उत्तर प्रदेशश्री मति आशा राजपूत दिल्ली प्रदेश महासचिव एवं राष्ट्रीय सनातन धर्म प्रवक्ता सु श्री सविता राम दिगमबर अखाड़ा सहारनपुर, एवं डा रानी चौधरी जी पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष, एवं श्री तारा गिल चढीगढ प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान श्री जय राम गौड़ ठेकेदार अध्यक्ष एवं श्री राजीव गौड़ जैतपुर प्रदेश महासचिव पश्चिम उत्तर प्रदेश एवं फिरे सिंह नागर सैकटर अध्यक्ष अखिल भारत हिन्दू महा डेलटा वन श्री कपिल गुजर युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष भष्ट्राचार उनूमूलून सभा अध्यक्ष एवं मनोज चौधरी टपपल अध्यक्ष, के दारा की गई है, हमारे होनहार राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी , बाबा टास्पोरट हलदी राम माँ आर के शर्मा जी सस्कार उजाला पेपर के मुख्य चीप एडिटर, और अपने एवं सस्कार उजाला पेपर के मनेजिग चीप डारेकटर श्री महेश शर्मा जी, एवं राकेश तिवारी जी एवं श्री अशोक गुजर, (ढेढा) एवं रिकू शर्मा वाला जी जवैलरस शिवम पलाजा, कपिल शर्मा साखी पुर, प्रधान अकुर मावी ने इनकी नियुक्ति को सराहनीय बताया और कहा नारी शक्ति करण का विकास होगा और भारत की नारी भारत की आन है जिसने अग्रेजों से लोहा लिया नारी हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा है रानी लक्ष्मीबाई माता सीता आदि का इतिहास हमें सनातनी होने का प्रमाण देता है, 2024 में सभी हिन्दू एक छत्र के नीचे होकर हिन्दू धर्म को मजबूत करें ! हमारे समाज में हो रहें जेहाद से एक जुट होकर भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाये! भष्ट्राचार उनूमूलून सभा आल इंडिया□□ प्रेसिडेंट सुशील शर्मा अखिल भारत हिन्दू महा सभा जय हिन्दू राष्ट्र श्री उषा वर्मा जी को जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा बनाये जाने पर सभी ने आभार व्यक्त किया और उषा वर्मा जी को राष्ट्रीय टीम एवं प्रादेशिक टीम एवं समस्त अखिल भारत हिन्दू महा सभा के कार्य करताओ ने शुभकामनाएँ दी और उषा वर्मा जी जिला अध्यक्ष को स्वस्थ एवं दीघार्यु होने का आशीर्वाद प्रदान किया! धन्यवाद जय श्री राम

संक्षिप्त डायरी

पाकिस्तान में करंट देकर हिन्दुओं का बदलवाया जा रहा है धर्म

संस्कार उजाला संवाददाता

देखिये कैसे पाकिस्तान में बिजली के झटके से हिन्दुओं को अपना धर्म परिवर्तन करवा रहे हैं... ये धार्मिक उन्मादी... हमारे सेक्युलरवादियों को ये सब दिखाई नहीं देता और ये चीखें विश्व मानवाधिकार आयोग भी नहीं सुनता अगर कल भारत भी इस्लामिक देश बन जाता है (कांग्रेस और कम्युनिस्ट और अन्य कुहाना सेक्युलरिस्ट पार्टियों के प्रभाव से) तो हमारे पोते-पोतियों का भी यही हाल होगा हिन्दू जागो देश में पहले से ही कट्टर इस्लामिक संगठन कई बार अपने मिशन की घोषणा कर रहे हैं हम खुद नहीं हमारी नींद में ध्यान दे जागो हिन्दू

किशोरी से बलात्कार के आरोप में बुजुर्ग गिरफ्तार

संवाददाता

मेरठ । मेरठ के कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाली एक किशोरी को डरा-धमका कर उसके साथ बलात्कार करने के आरोप में एक बुजुर्ग व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि कंकरखेड़ा क्षेत्र स्थित एक कॉलोनी में रहने वाली 16 वर्षीय एक किशोरी ने अपने पड़ोस में रहने वाले 60 वर्षीय व्यक्ति शफीक अंसारी पर पिछले काफी समय से उसके साथ बलात्कार करने का आरोप लगाया है। सूत्रों ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। हिंदू जागरण मंच के पूर्व महानगर अध्यक्ष सचिन सिरोही ने घटना के संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिकायत करने की बात कही है। सिरोही के मुताबिक किशोरी के परिजनों का कहना है कि उनकी बेटी मानसिक रूप से कमजोर है और आरोपी ने इसका फायदा उठाकर उसके साथ बलात्कार किया है।

गलत तरीके से जाति प्रमाणपत्र जारी करने के आरोप में तहसीलदार समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी

बलिया । गलत तरीके से अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र जारी करने के मामले में अदालत के आदेश पर बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के एक तहसीलदार सहित तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि पुलिस उपाधीक्षक शिव नारायण वैस की तहरीर पर बांसडीह के पूर्व तहसीलदार मुकेश कुमार सिंह तथा प्रदीप कुमार और उसके भाई नीरज कुमार के विरुद्ध बलिराम प्रसाद नामक व्यक्ति का गलत तरीके से अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र बनाने के आरोप में मंगलवार को मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि बलिराम प्रसाद दलित नहीं है, मगर इसके बावजूद उसका अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र बनाया गया। सूत्रों ने बताया कि जिले की विशेष एससी/एसटी अदालत ने गत 19 जुलाई को एक मुकदमे की सुनवाई करते हुए बलिराम प्रसाद को अनुसूचित जाति का नहीं होने के बावजूद इस श्रेणी का प्रमाण पत्र गलत तरह से जारी करने के मामले में तहसील तथा अन्य आरोपियों के विरुद्ध एक सप्ताह के अंदर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया था। थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह ने बुधवार को बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मुख्यमंत्री ने केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रगति की समीक्षा की

- प्रधानमंत्री जी के विजन के प्रति उ0प्र0 प्रतिबद्ध, हम सभी का एक ही लक्ष्य है कि समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को सम्पूर्ण आरोग्यता प्राप्त हो, उ0प्र0 ने इस दिशा में अनेक प्रयास किये
- स्वच्छ भारत मिशन तथा बेहतर सर्विलांस के माध्यम से प्रदेश इंसेफेलाइटिस को नियंत्रित कर चुका, यह बीमारी शीघ्र ही प्रदेश से समाप्त हो जाएगी

संवाददाता

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज अपने सरकारी आवास पर केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ0 मनसुख मंडाविया के साथ उत्तर प्रदेश में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाओं को और अधिक जनोपयोगी बनाने के उद्देश्य से केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने उत्तर प्रदेश में संचालित ई-रूपी वाउचर, ई-कवच, केयर और यूनिफाइड डिजीज सर्विलांस पोर्टल मॉडल की सराहना की और विभागीय अधिकारियों को प्रेजेंटेशन देने दिल्ली आर्मंत्रित किया। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भारत सरकार की टीम के उत्तर प्रदेश आगमन पर अभिनन्दन करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2014 के पहले राज्यों के अधिकारी दिल्ली की परिक्रमा किया करते थे, लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती थी। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्री स्वयं राज्यों में भ्रमण कर उनकी आशा, अपेक्षा और आवश्यकताएं जान रहे हैं और उसी अनुरूप निर्णय ले रहे हैं। यह संवैधानिक व्यवस्थाओं के पालन का बेहतरीन उदाहरण है। स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रधानमंत्री जी के विजन के प्रति उत्तर प्रदेश की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम सभी का एक ही लक्ष्य है कि समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को सम्पूर्ण आरोग्यता प्राप्त हो। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने इस दिशा में अनेक प्रयास किये हैं। इंसेफेलाइटिस उन्मूलन के प्रयासों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 40 वर्षों में 50 हजार से ज्यादा बच्चे इस बीमारी के कारण असमय काल कवलित हो गए। आज ए0ई0एस0 के रोग मृत्यु दर में 95 प्रतिशत की कमी आ चुकी है, जबकि जे0ई0 के रोगियों की मृत्यु 96 प्रतिशत तक कम हुई है। आशा बहनों और ए0एन0एम0 के सहयोग से हमने घर-घर जाकर स्क्रीनिंग करने का कार्य किया। स्वच्छ भारत मिशन तथा बेहतर सर्विलांस के माध्यम से प्रदेश इस बीमारी को नियंत्रित कर चुका है। यह बीमारी शीघ्र ही प्रदेश से समाप्त हो जाएगी। मुख्यमंत्री जी ने विगत 06 वर्ष में प्रदेश के स्वास्थ्य तंत्र को सुदृढ़ बनाने में केन्द्र सरकार से मिले सहयोग और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जब कोविड आया तब प्रदेश के 36 जिलों में एक भी आई0सी0यू0 नहीं थी। भारत सरकार के सहयोग से हर जनपद में आई0सी0यू0 की व्यवस्था की गयी। हमने वर्चुअल आई0सी0यू0 भी चलाये, जो एक मॉडल बना। आज टेलीकन्सल्टेशन और टेलीमेडिसिन सेवा से सुदूर गांवों में लाखों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम की सफलता के लिए उत्तर प्रदेश प्रतिबद्ध है। टी0बी0, कालाजार, फाइलेरिया तथा कुष्ठ रोग के नियंत्रण के लिए प्रत्येक माह की 15 तारीख को सभी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेण्टर में एकीकृत निक्षय दिवस मनाया जा रहा है। हेल्थ एण्ड वेलनेस सेण्टर से टी0बी0 जांच केन्द्रों तक सैम्पल ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था है। वर्तमान में 23,422 निक्षय मित्रों के माध्यम से 2,64,345 क्षय रोगियों को कार्यक्रम में लिंक किया गया है। यह गौरव की बात है कि उत्तर प्रदेश के उदाहरण को पूरे देश में लागू किया गया है। प्रस्तावित आयुष्मान भवः अभियान की सफलता के लिए राज्य में सभी जरूरी प्रयास करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री जी ने विश्वास जताया कि उत्तर प्रदेश सर्वाधिक आयुष्मान ग्राम वाला राज्य होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश एक जनपद, एक मेडिकल कॉलेज के संकल्प को पूरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में 45 जनपदों में सरकारी मेडिकल कॉलेज क्रियाशील हैं। शीघ्र ही एक ही दिन उत्तर प्रदेश के 13 जनपदों में मेडिकल कॉलेज का शुभारम्भ होने वाला है। केन्द्रीय मंत्री ने अवगत कराया कि तमिलनाडु ऐसा राज्य है, जहां एक दिन में 11 मेडिकल कॉलेज लोकार्पित हुए थे, अब 13 मेडिकल कॉलेजों के लोकार्पण के साथ उत्तर प्रदेश नया रिकॉर्ड बनाएगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 16 असेवित जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापना के लिए राज्य सरकार ने पी0पी0पी0 मोड की नीति अपनाई है। इसके तहत जनपद शामली, मऊ, महराजगंज और सम्भल में कार्य प्रारम्भ हो चुका है। जबकि जनपद बागपत, मैनपुरी, कासगंज, महोबा, हमीरपुर और हाथरस के लिए वायबिलिटी गैप फण्डिंग के तहत भारत

सरकार से अनुमोदन प्राप्त हो चुका है। शीघ्र ही सभी जगह कार्य प्रारम्भ हो जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आजादी के बाद अब तक प्रदेश में राजकीय क्षेत्र में मात्र 05 बी0एस0सी0 नर्सिंग कॉलेज संचालित थे। वर्ष 2021-22 में 07 तथा 2022-23 में 11 नए राजकीय नर्सिंग कॉलेज संचालित किए गए। भारत सरकार के सहयोग से अतिशीघ्र 27 नए नर्सिंग कॉलेजों की स्थापना होने जा रही है। प्रधानमंत्री जी के कर-कमलों से इनकी आधारशिला रखी जायेगी। इससे प्रदेश के नर्सिंग और पैरामेडिकल सेक्टर में कैरियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए बड़ा अवसर सृजित होगा। मुख्यमंत्री जी ने राज्य सरकार के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आयुष्मान योजना से सम्बद्ध अस्पतालों का भुगतान वर्तमान में 30 दिवस के भीतर किया जा रहा है। इसे अधिकतम 15 दिन में किया जाना चाहिए। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन की सराहना करते हुए अधिकाधिक लोगों को इससे लाभान्वित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अब हमें परिवार के साथ-साथ प्रत्येक सदस्य पर फोकस करना होगा। उत्तर प्रदेश में अब तक 2.98 करोड़ कार्ड जारी किए जा चुके हैं। 23.51 लाख लोगों ने इसका लाभ लिया है। प्रदेश में इस योजना के अन्तर्गत अब तक 3,148 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। उत्तर प्रदेश में गोल्डन कार्ड बनाये जाने में तेजी की अपेक्षा है। प्रदेश में 06 करोड़ नए लाभार्थी जोड़े जाने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जाना चाहिए। कोई भी पात्रजन इससे वंचित न रहे। उन्होंने यह भी कहा कि आयुष्मान भारत योजना से अधिक से अधिक निजी अस्पतालों को जोड़ने के प्रयास किए जाएं। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत के अन्तर्गत अब तक एस0ई0सी0सी0 डेटा के अनुसार लाभार्थी चिन्हित करने की बाध्यता के कारण कतिपय समस्याएं आ रही थीं। ऐसे में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सत्यापित कर उपलब्ध कराये गए डाटा के आधार पर भी लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया जाएगा। राज्य सरकार जिन परिवारों को सत्यापित कर डाटा उपलब्ध कराएगी, सभी को आयुष्मान भारत कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा। हमें अपने कम्युनिटी हेल्थ सेण्टर को और मजबूत करने की आवश्यकता है। हमारे मेडिकल कॉलेज इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उचित होगा यदि हर मेडिकल कॉलेज न्यूनतम 05 कम्युनिटी हेल्थ सेण्टर को गोद ले। वहां नियमित अन्तराल पर डॉक्टर्स विजिट कर सेण्टर के डॉक्टरों का मार्गदर्शन करें। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर योजना के अन्तर्गत प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में आधारभूत अवस्थापना विकास का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके तहत प्रत्येक जिले में गम्भीर बीमारियों के उपचार के लिए जिला स्तरीय अस्पताल/मेडिकल कॉलेज में 100/50 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक की स्थापना होनी है। उत्तर प्रदेश में एक साथ 74 जिलों में क्रिटिकल केयर ब्लॉक की स्थापना की जाएगी। एक साथ एक ही दिन सभी 74 क्रिटिकल केयर यूनिट की शुरूआत होगी। भारत सरकार के स्तर से हर आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने इसे प्रदेश के लिए बड़ा उपहार बताते हुए इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में रोगों की स्थिति की जानकारी तथा रोकथाम हेतु प्रदेश सरकार ने यूनिफाइड डिजीज सर्विलांस पोर्टल के रूप में एक अभिनव प्रयोग किया है। इसके तहत, ग्राम स्तर से लेकर राज्य स्तर तक विभिन्न रोगों के आंकड़ों की रियल टाइम उपलब्धता हो रही है। समस्त आंकड़े लाइन लिस्ट पर आधारित हैं। प्राइवेट क्षेत्र के चिकित्सालयों एवं प्रयोगशालाओं द्वारा भी सक्रिय रूप से आंकड़ों की साझेदारी हो रही है। राज्य की आवश्यकताओं के अनुसार पूर्ण रूप से कस्टमाइजेबल और प्रायोरिटी डिजीजेज की जांच के नतीजों की पब्लिक लैब रिपोर्ट, पोर्टल के माध्यम से जनता को सहज उपलब्ध हो रही है। ऐसे शानदार मॉडल को पूरे देश में लागू होना चाहिए। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अस्पतालों में चिकित्सीय उपकरणों की उपलब्धता और कार्यक्षमता की जानकारी व निगरानी प्राप्त करने के लिए केयर मॉडल लागू किया है। ऐसे प्रयास पूरे देश के लिए आवश्यक हैं। प्रदेश सरकार द्वारा किये गये ई-कवच के प्रयास को अभिनव बताते हुए उन्होंने कहा कि वर्क फ्लो आधारित एवं समुदाय स्तर पर संचालित कॉम्प्रीहेन्सिव प्राइमरी हेल्थ केयर एप्लीकेशन ई-कवच एक शानदार प्रयास है। इसके अन्तर्गत सभी परिवार के सदस्यों का डिजिटल स्वास्थ्य सर्वेक्षण करते हुए मास्टर डाटाबेस संकलित हो रहा है। प्रदेश में अब तक 04 करोड़ से अधिक परिवारों के अन्तर्गत 17 करोड़ से अधिक सदस्यों को पंजीकृत किया गया है। इससे अनुश्रवण एवं मूल्यांकन हेतु रियल टाइम डाटा उपलब्ध हुआ है। ई-कवच से नियमित टीकाकरण तथा स्वास्थ्य सुविधाओं की प्रभावी मानीटरिंग सम्भव हो रही है। इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क अल्ट्रासाउण्ड के लिए ई-रूपी वाउचर का उपयोग किया जाना अनुकरणीय और प्रेरक है। यह पूरे देश के लिए एक मॉडल है। भारत सरकार आगामी सितम्बर माह से आयुष्मान भवः अभियान प्रारम्भ कर रही है। इसके तहत आपके द्वार आयुष्मान 3.0 कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाये जाएंगे। गांवों, नगरों और स्कूलों में आयुष्मान सभा के आयोजन होंगे। इस प्रकार जो गांव पूरी तरह संतृप्त हो जाएगा, उसे आयुष्मान ग्राम घोषित किया जाएगा। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने कहा कि जनपद चन्दौली में ट्रॉमा सेण्टर की स्थापना के लिए भारत सरकार ने 16.81 करोड़ रुपये स्वीकृत किये हैं, इसी प्रकार जनपद वाराणसी में श्री शिवप्रसाद गुप्त मण्डलीय/जिला चिकित्सालय में मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल स्थापित करने के लिए 215.62 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गए हैं। इससे आम जन को सहूलियत होगी। बैठक में भावी कार्यक्रमों/परियोजनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्री मयंकेश्वर शरण सिंह, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री श्री एस0पी0 गोयल, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा श्री आलोक कुमार सहित केन्द्र व राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस ने राज्यसभा सांसदों के लिए व्हिप जारी की

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राज्यसभा के अपने सभी सदस्यों के लिए व्हिप जारी करते हुए उन्हें सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने को कहा है। राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने एक लाइन की व्हिप जारी करते हुए कहा है कि सदन में गुरूवार को एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा होगी और इसे देखते हुए पार्टी के सभी सदस्यों से अनुरोध किया जाता है कि वे सुबह ग्यारह बजे से लेकर सदन स्थगित होने तक सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें तथा पार्टी के रूख का समर्थन करें। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा में गुरूवार को दिल्ली से संबंधित अध्यादेश के स्थान पर विधेयक पेश किये जाने की संभावना है। विपक्ष पहले ही कह चुका है कि वह इस विधेयक का विरोध करेगा।

मुहर्रम, स्वतंत्रता दिवस, कृष्ण जन्माष्टमी और मिलाद-उन-नबी पर दिल्ली में शराबबंदी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने इस वर्ष जुलाई से सितंबर की अवधि के लिए चार 'ड्राई डे' घोषित किया है जिसके तहत मुहर्रम, स्वतंत्रता दिवस, कृष्ण जन्माष्टमी और ईद मिलाद-उन-नबी पर राजधानी में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आबकारी विभाग से ड्राई डे को लेकर आए प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके तहत इस वर्ष जुलाई से सितंबर के दौरान मुहर्रम, स्वतंत्रता दिवस, कृष्ण जन्माष्टमी और ईद मिलाद-उन-नबी का पर्व पड़ रहा है। दिल्ली सरकार द्वारा घोषित ड्राई डे के अनुसार, इन पर्वों के दिन दिल्ली में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा।

सेंट स्टीफंस कॉलेज को मिली हाईकोर्ट से अंतरिम राहत, प्रवेश में 15 प्रतिशत होगा साक्षात्कार का वेटेज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सेंट स्टीफंस कॉलेज को स्नातक पाठ्यक्रम में ईसाई अल्पसंख्यक उम्मीदवारों के प्रवेश के लिए सीयूईटी स्कोर के 85 प्रतिशत और साक्षात्कार के लिए 15 प्रतिशत वेटेज अपनाने की अनुमति दे दी है।

मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने कहा कि विश्वविद्यालय गैर-अल्पसंख्यक उम्मीदवारों के प्रवेश के लिए एकमात्र पात्रता मानदंड के रूप में केवल सीयूईटी में प्राप्त अंकों को अपनाएगा।

अदालत ने कहा यह व्यवस्था है अंतरिम

साथ ही पीठ ने कहा कि यह व्यवस्था एक अंतरिम उपाय होगी और कॉलेज में अल्पसंख्यक कोटा में प्रवेश के लिए सीयूईटी स्कोर के लिए 100 प्रतिशत वेटेज पर जोर देने के दिल्ली विश्वविद्यालय के फैसले को चुनौती देने वाली सेंट स्टीफंस की याचिका के अंतिम परिणाम के अधीन होगा।

शीघ्र सुनवाई, त्वरित न्याय की दिशा में काम करें कानून क्षेत्र के पेशेवर : द्रौपदी द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्याय व्यवस्था के प्रति लोगों का भरोसा बनाए रखने के लिए विधि क्षेत्र के पेशेवरों (अधिवक्ताओं) से अपील की कि वे अदालती मामलों की त्वरित सुनवाई और शीघ्र न्याय की दिशा में काम करें।

उन्होंने कहा कि वंचितों को न्याय कैसे मिले इस बात पर मंथन करने की जरूरत है।

राष्ट्रपति ने कहा कि न्यायालयों में त्वरित सुनवायी और फैसलों में शीघ्रता से ऐसे निर्दोष बंदियों को मुक्ति मिल सकती है जो छोटे-मोटे आरोप के आधार पर लंबे समय से जेल में बंद हैं। श्रीमती मुर्मू कटक में ओडिशा उच्च न्यायालय के 75वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में साल भर चले समारोहों के समापन कार्यक्रम में शामिल हो रहीं थीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि ऐसे उदाहरण हैं कि लोगों को उन अपराधों के लिए निर्धारित सजा से अधिक समय तक जेल में रखा गया, जिनके लिए उन पर आरोप लगाया गया था। इसके कारण निर्दोष व्यक्ति अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय गंवा देते हैं। दूसरी ओर, अपराध पीड़ित भी देखते हैं कि दोषियों को कानूनी सजा नहीं मिली है तो वे उम्मीद खो देते हैं। इस तरह न्याय में देरी एक बड़ी चिंता का विषय है।

उन्होंने ओडिशा उच्च न्यायालय से जुड़े सभी लोगों से शीघ्र न्याय प्रदान करने की दिशा में काम करने और पूरे देश के लिए एक उदाहरण स्थापित करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने कहा कि समाज के वंचित वर्ग के लोगों के पास न्याय तक पहुंचने के लिए न तो अधिक ज्ञान है और न ही उनके पास संसाधन हैं। अतः हमारे सामने यह प्रश्न है कि 'उन्हें न्याय कैसे मिलेगा?' इस प्रश्न पर गहन मंथन की आवश्यकता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में कानूनी पेशे ने नागरिकों का विश्वास और सम्मान अर्जित किया है। यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक के रूप में मजबूत है। उन्होंने कई आधुनिक, नवीन और प्रौद्योगिकी-संचालित परिवर्तनों के माध्यम से न्याय वितरण प्रणाली को सुव्यवस्थित और तेज करने के लिए ओड़िशा उच्च न्यायालय की सराहना भी की।

राष्ट्रपति ने अपने संबोधन की शुरुआत कारगिल के शहीदोंको श्रद्धांजलि अर्पित करके की। उन्होंने कहा कि भारत माता की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देने वालों में ओडिशा के भी कई सैनिक शामिल हैं। मेजर पद्मपाणि आचार्य को उनके योगदान के लिए महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था। उन्होंने कहा कि इन सैनिकों की बहादुरी हमारे नागरिकों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि ओडिशा उच्च न्यायालय ने 75 वर्षों की अपनी गौरवशाली यात्रा में कई उच्च मानदंड स्थापित किए हैं। इस उच्च न्यायालय के दिग्गजों में बाबू जगन्नाथ दास, रंगनाथ मिश्रा, राधा चरण पटनायक, देबा प्रिया महापात्र, गोपाल बल्लभ पटनायक, अरिजीत पसायत, अनंग कुमार पटनायक और दीपक मिश्रा जैसे न्यायाधीशों की एक लंबी सूची शामिल है जो सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने और उनमें से कुछ ने भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने कहा कि इस न्यायालय की प्रतिष्ठा के पीछे इस उच्च न्यायालय के पूर्व और वर्तमान मुख्य न्यायाधीशों, न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं और कर्मचारियों का योगदान, निष्ठा, काम के प्रति समर्पण और वृहद ज्ञान है।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्राकृतिक आपदाएं मानवता के लिए चुनौती खड़ी करती हैं। प्रकृति के साथ अनुकूलन कायम करना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि कार्यपालिका एवं विधायिका के साथ-साथ न्यायपालिका को भी पर्यावरण एवं वन्य जीव संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

मानसिक विकारों के उपचार की उपलब्धता और पहुंच को बढ़ावा: डॉ. पवार

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य, स्वास्थ्य का अभिन्न अंग है क्योंकि यह जीवन के सभी पहलुओं को प्रभावित करता है।

डॉ. पवार ने यहां, संस्थानों की सीमाओं से परे मानसिक स्वास्थ्य विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य का बहुत महत्व है। मानसिक विकार संबंधी लांछन को दूर करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।यह जरूरतमंदों को आवश्यक सहायता प्राप्त करने से रोकता है ।

इस अवसर पर राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन-एनएचआरसी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा भी उपस्थित थे। सम्मेलन का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 के कार्यान्वयन में चुनौतियों पर चर्चा करना और मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के समाधान पर आगे बढ़ने के तरीके पर विचार-विमर्श करना रहा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मानसिक स्वास्थ्य को बहुत महत्व दिया गया है,जो ऐतिहासिक मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 के पारित होने से प्रदर्शित होता है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सामान्य मानसिक विकारों के किफायती उपचार की उपलब्धता और पहुंच को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य को केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण आयुष्मान भारत योजना में शामिल किया गया है।

न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा ने कहा कि 10 में से एक व्यक्ति एक या विभिन्न प्रकार के मानसिक विकारों से पीड़ित है। उन्होंने कहा कि, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, सार्वजनिक नीति और सामाजिक सहायता प्रणालियों से जुडे एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता हैं।

रक्षा क्षेत्र में सह उत्पादन की संभावनाओं का पता लगायेंगे भारत और आस्ट्रेलिया

नई दिल्ली। भारत और आस्ट्रेलिया ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने के साथ साथ रक्षा क्षेत्र में सह विकास और सह उत्पादन की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की है। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच आस्ट्रेलिया के कैनबरा में सोमवार तथा मंगलवार को आठवीं रक्षा नीति वार्ता में दोनों पक्षों ने इस बारे में गहन विचार विमर्श किया। रक्षा मंत्रालय में विशेष सचिव निवेदिता शुक्ला वर्मा तथा आस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्रालय में कार्यवाहक उप सचिव स्टीवन मूरे ने वार्ता की सह अध्यक्षता की। दोनों पक्षों ने रक्षा क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की और इसे अधिक मजबूत बनाने के उपायों पर बातचीत की। इसके अलावा बातचीत में रक्षा क्षेत्र में उपकरणों के सह विकास और सह उत्पादन के तरीकों का पता लगाने पर भी जोर दिया गया। दोनों देशों ने परस्पर विश्वास और समझ के आधार तथा साझा हितों को ध्यान में रखते हुए व्यापक सामरिक साझेदारी को पूरी तरह लागू करने के बारे में भी प्रतिबद्धता व्यक्त की। भारत ने आस्ट्रेलिया के साथ पोत निर्माण और उनेक रख रखाव के क्षेत्र में भारतीय रक्षा उद्योग की क्षमताओं का उल्लेख किया। भारत और अमेरिका के बीच जून 2020 से व्यापक सामरिक साझेदारी है और रक्षा उसका महत्वपूर्ण स्तंभ है। दोनों देशों की साझेदारी मुक्त, खुले , समावेशी और समृद्ध हिन्द प्रशांत क्षेत्र के बारे में दोनों देशों के समान दृष्टिकोण पर आधारित है।

वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने दोनों के बीच सितम्बर 2021 में हुई पहली टू प्लस टू वार्ता के परिणामों की भी समीक्षा की गयी। दोनों देशों ने जल सर्वेक्षण समझौते को जल्द अंतिम रूप देने पर भी सहमति व्यक्त की। उन्होंने साझा हितों के क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की।

प्रगति मैदान में इंटरनेशनल पुलिस एक्सपो शुरू 25 देशों की कंपनियां ले रही हिस्सा

नई दिल्ली। मध्य जिले के प्रगति मैदान में आठवां इंटरनेशनल पुलिस एक्सपो बुधवार से शुरू हो गया है। एक्सपो कल शाम छह बजे तक चलेगा। इसके साथ ही चौथा ड्रोन इंटरनेशनल एक्सपो और सातवां होमलैंड सिक्योरिटी एक्सपो भी आयोजित किया जा रहा है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लेकर मशीन लर्निंग, आईओटी, एडवांस वेपन, ड्रोन, फोरेंसिक सॉल्यूशंस, बम निरोधक वाहन, भीड़ नियंत्रण उपकरण और तकनीक का प्रदर्शन किया जा रहा है। इंटरनेशनल पुलिस एक्सपो का आयोजन 26 से 27 जुलाई के बीच नई दिल्ली के प्रगति मैदान में किया जा रहा है।

इन देशों की कंपनियां ले रही भाग:-आयोजकों का दावा है कि देश की आंतरिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने में ये उपकरण एवं तकनीक बेहद उपयोगी साबित होंगी. एक्सपो में अमेरिका, इंग्लैंड, रूस, इजरायल पोलैंड, जर्मनी, स्लोवाकिया स्टोनिया, फ्रांस, यूएई, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, इटली, साउथ कोरिया और स्वीडन समेत दुनिया के 25 देशों की 300 हथियार निर्माता कंपनियां अपने उत्पाद प्रदर्शित कर रही हैं।

इसके अलावा आंतरिक सुरक्षा पर शोध कर रहे शोधार्थी, विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों समेत करीब 700 विशेषज्ञ भी शामिल हो रहे हैं। इस एक्सपो में कॉलेज के छात्र छात्राओं और आंतरिक सुरक्षा विषय पर शोध और अध्ययन करने वाले स्कॉलर्स के लिए मार्गदर्शन की भी व्यवस्था की गई है। यह लोग विषय विशेषज्ञों से अपनी रूचि के अनुसार जानकारी हासिल कर रहे हैं। प्रदर्शनी में पहुंचे लोगों को साइबर सिक्योरिटी से लेकर ह्यूमन इंटेलिजेंस तक की तकनीक के बारे में जानकारी दी जा रही है।

नोएडा प्राधिकरण की 200 करोड़ की एफडी में हुए फर्जीवाड़े में मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी को निलंबन का नोटिस

नोएडा। नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा) के 200 करोड़ रुपये के एफडी मामले में हुई धोखाधड़ी की घटना में प्राधिकरण के मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी (सीएफएओ) मनोज कुमार सिंह को निलंबन का नोटिस दिया गया है। नोएडा विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम की ओर से जारी कारण बताओ नोटिस में तीन दिन में स्पष्टीकरण मांगा गया है। जवाब से संतुष्ट नहीं होने की स्थिति में उनके निलंबन की संस्तुति शासन से की जाएगी। बताया गया कि मामले में प्रथम दृष्टया कई अनियमितताएं पाई गईं हैं। जांच में पता चला है कि बैंक ऑफ इंडिया को बिना नियम के बिड में शामिल कराया गया। बताया जा रहा है कि सीएफएओ ने अपने स्तर पर बैंक ऑफ इंडिया को बोली के लिए बुलाया था। प्राधिकरण के सूत्रों का कहना है कि आमतौर पर इस तरह की बिड में उन्हीं बैंकों को बुलाया जाता है, जहां पहले से प्राधिकरण का खाता खुला हुआ है। लेकिन इस मामले में नियमों को ताक पर रखकर बैंक ऑफ इंडिया को बोली के लिए बुलाया गया।

सुप्रीम कोर्ट से ईडी निदेशक संजय मिश्रा का कार्यकाल 31 जुलाई से आगे बढ़ाने की केंद्र की गुहार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) निदेशक संजय कुमार मिश्रा के सेवा विस्तार को अवैध करार देने और उनके कार्यकाल की सीमा 31 जुलाई 2023 तय करने के बावजूद केंद्र सरकार ने एक बार फिर उनका कार्यकाल बढ़ाने की गुहार लगाते हुए शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर की है, जिस पर गुरुवार को सुनवाई की जाएगी। न्यायमूर्ति बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की गुहार पर इस मामले पर कल सुनवाई करने की सहमति व्यक्त की। श्री मेहता ने वर्तमान ईडी निदेशक मिश्रा का कार्यकाल बढ़ाने को लेकर दायर एक आवेदन पर सुनवाई करने की गुहार 'विशेष उल्लेख' के दौरान लगाई। श्री मिश्रा को बार-बार एक्सटेंशन (सेवा विस्तार) दिए जाने के खिलाफ एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) की ओर से दायर जनहित याचिका पर बहस करने वाले वकील प्रशांत

भूषण ने एक ट्वीट कर केंद्र की याचिका को 'बेतुका' बताया है। गौरतलब है कि न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने 11 जुलाई को श्री मिश्रा के एक-एक वर्ष के दो कार्यकाल विस्तार को अवैध करार दिया था। उन्हें 31 जुलाई तक हालांकि अपने पद पर बने रहने की मोहलत दी गयी थी। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि व्यापक सार्वजनिक हित के मद्देनजर 31 जुलाई 2023 तक उन्हें (संजय कुमार मिश्र) वर्तमान पद पर बने रहने की अनुमति दी जाती है। यानी सरकार को इस पद पर किसी अन्य अधिकारी की नियुक्ति करने के लिए करीब 20 दिनों की अवधि की मोहलत दे दी थी।

पीठ ने हालांकि, केंद्र सरकार के केंद्रीय सतर्कता आयोग (संशोधन) अधिनियम 2021 और दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (संशोधन) अधिनियम 2021 की वैधता को दी गई चुनौती को खारिज कर दिया था। इन दोनों संशोधित अधिनियमों में केंद्रीय जांच एजेंसियों - केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक के पद का कार्यकाल 5 वर्षों तक विस्तार की अनुमति दी गई है।

शीर्ष अदालत के इस फैसले से साफ हो गया था कि केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और ईडी प्रमुख के पद के अधिकारी का सेवा विस्तार अधिकतम पांच वर्षों तक करना कानून सम्मत है।

शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि उसने पाया कि 08 सितंबर 2021 के (कॉमन कॉज़ मामले में) उसके पिछले फैसले में जारी किए गए परमादेश का उल्लंघन करते हुए श्री मिश्रा को 17 नवंबर 2021 और 17 नवंबर 2022 को एक-एक वर्ष की अवधि के लिए विस्तार दिया गया था। पीठ ने कहा था, 'केंद्र सरकार परमादेश का उल्लंघन करते हुए आदेश जारी नहीं कर सकती थी। न्यायमूर्ति गवई ने कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला और डॉ. जया ठाकुर, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता साकेत गोखले और महुआ मोइत्रा, वकील एम एल शर्मा, कृष्ण चंदर सिंह और सामाजिक कार्यकर्ता विनीत नारायण और स्वयंसेवी संस्था-कॉमन कॉज द्वारा ईडी निदेशक के कार्यकाल के विस्तार को चुनौती देने वाली अलग-अलग याचिकाओं पर 103 पृष्ठों में अपना फैसला दिया था। संशोधनों के बाद केंद्र सरकार को ईडी निदेशक का कार्यकाल पांच सालों तक बढ़ाने का अधिकार है। पीठ ने (स्वयंसेवी संस्था कॉमन कॉज मामले में) अपने फैसले में कहा था कि सरकार पर दो साल की अवधि से अधिक प्रवर्तन निदेशक नियुक्त करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। पीठ ने साथ ही यह भी स्पष्ट किया था कि एक अधिनियम द्वारा परमादेश को रद्द करना अस्वीकार्य विधायी अभ्यास होगा।

सीमा बोली- अब सवालों से थक चुकी... जो सच है वही बताया, इसलिए जगह बदल-बदल कर पूछताछ

नोएडा। पाकिस्तान से नेपाल के रास्ते रबूपुरा तक पहुंची सीमा हैदर और सचिन को लेकर जांच एजेंसियां साक्ष्य जुटा रही हैं। इसलिए जब तक पूरी जांच पड़ताल नहीं होती है, तब तक दोनों पुलिस की निगरानी में ही रहेंगे। उन्हें किसी और से नहीं मिलने दिया जा रहा है।

वहीं, सीमा कहती है कि अब वह पूछताछ से थक चुकी है और जो सच है वही बताया है। दरअसल, सीमा हैदर ने जिस आधार कार्ड से पासपोर्ट बनवाया था, उसमें तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसके बाद जांच एजेंसियों का संदेह और गहरा गया। तीन दिन से पुलिस ने उनको मीडिया या बाहरी लोगों से नहीं मिलने दिया है। जांच एजेंसियों को कुछ और पूछताछ करनी है, इसलिए लगातार पुलिस और एजेंसी के अधिकारी रबूपुरा में डेरा डाले हुए हैं।

जगह बदल-बदल कर की जा रही पूछताछ

सचिन के घर पर पुलिस बल तैनात है और जांच के दौरान अन्य लोग बाधा न पहुंचा पाए, इसके लिए अधिकारी जगह बदलकर सीमा-सचिन से पूछताछ करते हैं।

फर्जी आधार कार्ड बनाने के आरोप में बुलंदशहर के दो सगे भाई गिरफ्तार

कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा हैदर को भारत में प्रवेश कराने के लिए फर्जी आधार कार्ड बनाने के आरोप में दो सगे भाईयों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। हालांकि पुलिस ने उन्हें पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। लेकिन आधिकारिक पुष्टि बुधवार रात की है। गिरफ्तार आरोपी दो सगे भाइयों की पहचान पवन और पुष्पेंद्र कुमार के रूप में की गई है। उनके कब्जे से 15 फर्जी आधार कार्ड, तीन लैपटॉप, तीन प्रिन्टर और अन्य सामान जब्त किया है।दरअसल, पाकिस्तान से सीमा हैदर नेपाल के रास्ते जिस आधार कार्ड दिखाकर भारत में घुसी थी। उनको फर्जी बताया गया था। जांच में इस बात की पुष्टि भी हो गई है।

चूंकि बुलंदशहर के अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के कनैनी गांव निवासी दोनों भाई जनसुविधा केंद्र चलाते हैं। वहीं पर सचिन के कहने पर आधार कार्ड बनाए गए थे। अमर उजाला ने मंगलवार को ही दोनों की गिरफ्तारी व जेल भेजने की खबर प्रकाशित कर दी थी। दादरी पुलिस ने आरोपी दोनों भाइयों को आरवी नार्थलैंड के पास जीटी रोड से गिरफ्तार करने

का दावा किया है। सीमा के पूर्व पति गुलाम हैदर का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में कहा कि भाइयों पाकिस्तान लौट रहा हूं, मेरी मदद करना। उम्मीद जताई जा रही है कि गुलाम हैदर पाकिस्तान सरकार से सीमा और अपने चार बच्चों को वापस बुलाने के लिए गुहार लगाएगा। वह भारत सरकार से भी इस तरह की गुहार लगा चुका है। पाकिस्तान के कराची निवासी सीमा हैदर और रबूपुरा के सचिन मीणा के बीच पबजी गेम खेलने के दौरान जान-पहचान हुई थी। वीडियो कॉलिंग के जरिये नजदीकियां बढ़ने के बाद सीमा 13 मई नेपाल के रास्ते पाकिस्तान से भारत आ गई थी। चार बच्चों संग रबूपुरा पहुंची सीमा आंबेडकर नगर में किराये पर मकान लेकर सचिन के साथ रहने लगी। मामले की भनक पुलिस को लगते ही सीमा चार बच्चों और सचिन के साथ फरार हो गई। पुलिस टीम ने सभी को हरियाणा के बल्लभगढ़ से पकड़ा था।

बाढ़ नियंत्रण में विफलता को लेकर एनडीएमसी की बैठक में सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पेश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के साथ-साथ एनडीएमसी क्षेत्र में बाढ़ नियंत्रण में विफलता को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ परिषद की बैठक में निंदा प्रस्ताव रखा गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मानसून से पहले दिल्ली में एक एपेक्स कमेटी फ्लड कंट्रोल बनी हुई थी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल उस समित के चेयरमैन हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने दो साल से इस एपेक्स कमेटी की बैठक नहीं ली।

इस वजह से जहां एनडीएमसी का क्षेत्र और दिल्ली के अन्य क्षेत्र बाढ़ से बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। सिविल लाइंस से लेकर यमुना बाजार, जैतपुर जैसे इलाकों में पानी भर गया। विकास मार्ग पर ट्रैफिक परिचालन कई दिनों तक बाधित रहा। बाढ़ की वजह से दिल्ली के कई निवासियों को अपना घर छोड़ना पड़ा। इसके अलावा पिछले दो से तीन दिनों से एनडीएमसी के क्षेत्र में पीने के पानी की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है।

हिंडन यमुना का जलस्तर गिरा, बारिश से अंडरपास व सड़के जलमग्न

नोएडा । हिंडन और यमुना के जलस्तर में बुधवार को काफी कमी दर्ज हुई, लेकिन तेज बारिश के कारण शहर की सड़के और अंडरपास जलमग्न हो गए। सुबह के समय कई घंटों की तेज बारिश के चलते नाले बैक फ्लो कर गए, जिससे यह हालात बने। उधर, बारिश के कारण बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में स्थिति का जायजा लेने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों ने निरीक्षण किया। साथ ही जिले में 48 घंटे का अलर्ट जारी कर दिया। बुधवार को यमुना में 44086 क्यूसेक पानी बह रहा था, जो मंगलवार की तुलना में 28 हजार क्यूसेक तक कम हो गया था। ओखला बैराज पर यमुना का जलस्तर 198.15 मीटर मांपा गया। वहीं, हिंडन की बात करें तो करीब दस से अधिक गांवों को प्रभावित कर चुकी इस नदी के जलस्तर में भी करीब दो हजार क्यूसेक पानी की गिरावट दर्ज हुई है। हिंडन का जलस्तर 201.15 मी. दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि 24 घंटे में सहारनपुर से कोई पानी नहीं छोड़ा गया है, लेकिन भारी बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ सकता है, ऐसे में 48 घंटे का रेड अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों को

जल्द ही नजदीकी बारात घर व प्रशासन के बने शिविरों में जाने की अपील की गई। अधिकारियों ने छिजारसी, बहलोलपुर एवं सुतियाना गांव का निरीक्षण किया। सेक्टर-135 गोशाला में प्राधिकारी के सीईओ को काफी कमी दिखी। यहां बारिश के चलते पानी भर गया, जिससे गोवंश बैठ नहीं पा रहे थे, उन्होंने जिम्मेदारों से गोवंशों को गोशाला के बाहर सर्विस रोड पर बांधने के आदेश दिए, ताकि वह सूखी जगह पर बैठ सके। साथ ही उनके चारे की व्यवस्था का भी जायजा लिया। सुतियाना गांव से 24 घंटे में 50 से अधिक परिवारों को शिविरों में विस्थापित किया गया। हैबतपुर गांव में पानी में फंसी एक 100 वर्षीय महिला को एनडीआरएफ टीम ने बचाया। एडवंट अंडरपास समेत कई जगह जलभराव : बारिश के चलते सेक्टर-142 में एडवंट टॉवर के पीछे सड़क धंसी है। इसको लेकर लोग अफसरों से शिकायत भी कर चुके, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं, सड़क धंसने से हुए गड्ढे में लोगों ने कूड़ा डालना शुरू कर दिया है। वहीं, एडवंट अंडरपास के नीचे बारिश के चलते जल भराव हो गया है। यहां से वाहनों को निकलने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा सेक्टर-135, 161, ग्रेटर नोएडा के विभिन्न हिस्सों में जल भराव के कारण लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

संक्षिप्त डायरी

खाना मांगने पर पिता ने बेटे को पीट-पीट कर घायल किया

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले के एक गांव में एक व्यक्ति ने खाना मांगने पर अपने 14 वर्षीय बेटे को पीट-पीट कर घायल कर दिया। लड़के को गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक्सप्रेसवे की थाना प्रभारी सरिता मलिक ने बताया कि वाजिदपुर गांव निवासी वीरेंद्र की पत्नी संगीता ने रविवार रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके पति ने उसके 14 वर्षीय बेटे चेतन की पिटाई की तथा धारदार वस्तु से उस पर वार भी किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि चेतन को उपचार के लिए एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। उन्होंने बताया कि पीड़िता और उसका पति दोनों मजदूरी करते हैं। उन्होंने बताया कि पीड़िता की शिकायत के अनुसार, जब वह काम पर बाहर गई थी, तब उसका पति घर पर था। इसी दौरान चेतन ने जब भूख लगने पर अपने पिता से खाना मांगा तो इस बात से आक्रोशित होकर वीरेंद्र ने उसे घर में बंद कर उसकी पिटाई की और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

किराये पर कमरा देने के बहाने 82 हजार ऐंठे

नोएडा। किराये पर कमरा देने के बहाने दो लोगों ने युवती यती श्रीवास्तव से 82,495 रुपये ऐंठ लिए। आरोपियों ने छह बार में युवती से खाते में रकम ट्रांसफर कराई। आरोप है कि अब आरोपी न तो युवती को कमरा दे रहे हैं और न ही पैसा वापस कर रहे हैं। उन्होंने अपना मोबाइल नंबर भी बंद कर दिया है। पीड़िता ने इस मामले में मैनेजर दिनेश कुमार और राहुल कुमार के खिलाफ एक्सप्रेसवे थाने में केस दर्ज कराया है। सेक्टर-168 स्थित गोल्डन पाम सोसाइटी में किराये पर रहने वाली नौकरीपेशा यती श्रीवास्तव ने बताया कि वह दिल्ली के आसपास किराये पर कमरा तलाश रही थीं। इसी दौरान एक वेबसाइट पर उन्हें राहुल कुमार का मोबाइल नंबर मिला। राहुल ने खुद को मकान मालिक बताकर विज्ञापन दिया था। संबंधित नंबर पर कॉल करने के बाद राहुल ने खुद को शहर से बाहर होने की बात कहकर मैनेजर दिनेश कुमार से बात करने को कहा। मैनेजर ने विजिटिंग के लिए आठ हजार 99 रुपये युवती को जमा करने के लिए बोला। पैसे ट्रांसफर होने के बाद मैनेजर ने तकनीकी दिक्कत होने की बात कहकर फिर से पैसे भेजने को कहा। कई बार ट्रांजेक्शन फेल होना बताकर दिनेश ने कुल 82 हजार 495 रुपये ट्रांसफर करा लिया। ठगी के बाद दोनों ठगों ने नंबर बंद कर दिया। अब आरोपी न तो पैसे वापस कर रहे हैं और न ही कमरा किराये पर दे रहे हैं।

कंपनी के नाम का इस्तेमाल कर फर्जी भर्ती निकाली

नोएडा। सेक्टर-71 की कंपनी के नाम का इस्तेमाल कर जालसाजों ने कंप्यूटर ऑपरेटर समेत कई पदों के लिए नौकरी का विज्ञापन दे दिया है। एक आवेदक का फोन आने पर कंपनी मालिक को इसकी जानकारी हुई। उन्होंने फेज-3 में केस दर्ज कराया है। सेक्टर-71 सी ब्लॉक निवासी रीना पांडेय की ग्रोमैक्स बिल्डर एंड कंस्ट्रक्शन (ओपीसी) के नाम से कंपनी है, जिसका कार्यालय छह साल पहले सेक्टर-18 स्थित अंसल फारर्च्यून आर्केड बिल्डिंग के प्रथम तल पर था। उन्होंने उस कार्यालय को बंद कर सेक्टर-71 में शिफ्ट कर लिया था। दो दिन पहले उनके नंबर पर प्रयागराज के एक युवक ने कॉल कर जानकारी मांगी कि उनकी कंपनी में कंप्यूटर ऑपरेटर की भर्ती निकली है। उसके बारे में बात करनी है। रीना पांडेय ने युवक को बताया कि कंपनी ने कोई भर्ती नहीं निकाली। इस पर युवक ने उन्हें उनकी कंपनी का लेटर हेड पर भेजा गया ऑफर लेटर और कंपनी की ओर से निकाले गए विज्ञापन का ब्योरा भेजा। कंपनी के लेटर हेड को देखने के बाद रीना को पता चला कि उसमें कुछ शब्दों का हेरफेर किया गया है। कंपनी के पुराना पता, जो गूगल पर दर्ज था, उसका इस्तेमाल किया गया है। झांसी, ग्वालियर, मथुरा, आगरा, गाजियाबाद, मेरठ, बांदा, प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, सीतापुर, बलरामपुर, कानपुर और ललितपुर के लिए भर्ती निकाली गई। सभी पदों में इंटरमीडिएट और कंप्यूटर की जानकारी की पात्रता रखी गई।

नोएडा में पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद छह बदमाश गिरफ्तार

नोएडा । नोएडा पुलिस और स्वाट (विशेष हथियार एवं रणनीति) टीम ने सोमवार सुबह संयुक्त अभियान के तहत मुठभेड़ के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में लोगों के घरों में चोरी करने वाले छह बदमाशों को गिरफ्तार किया। इन बदमाशों ने सेक्टर 12 में रहने वाले एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के रिश्तेदार के घर से 20 जुलाई को नगदी व कीमती सामान की चोरी की थी। पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) हरीश चंदर ने बताया कि सेक्टर 12 निवासी राघव सचदेवा के घर से 20 जुलाई की रात को सवा लाख रुपये नगदी, चार मोबाइल फोन की चोरी हुई थी। इस मामले में उन्होंने सेक्टर 24 के थाने में शिकायत की थी। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मामले की जांच कर रही पुलिस ने सोमवार सुबह एक मुठभेड़ के दौरान छह बदमाशों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि बदमाशों ने पुलिस पर गोली चलाई थी जिस पर पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की गोली लगने से एक बदमाश रियासत अली घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि उसके अन्य साथियों आरिफ पुत्र शौकीन, आरिफ पुत्र मल्हन खान, आकिल पुत्र जरीन, कमल यादव तथा शहजाद को गिरफ्तार कर लिया गया है। चंदर ने बताया कि पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो चोरी की मोटरसाइकिल, एक पिस्तौल, कारतूस, एक देसी तमंचा, ताला और जाली काटने के औजार, ड्रिल मशीन, चोरी की हुई हाथ की तीन घड़ी, 36 चांदी के सिक्के, छह मोबाइल फोन, 80 हजार रुपये नगद बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि चोरों ने पूछताछ के दौरान एनसीआर के रिहायशी सेक्टर में रहने वाले दर्जनों लोगों के घर चोरी की बात कबूल की।

लड़पुरा मामले में 11 लोगों पर केस

ग्रेटर नोएडा। पुलिस ने लड़पुरा गांव में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट, पथराव और फायरिंग के मामले में 11 नामजद और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने एक पक्ष के छह और दूसरे पक्ष के पांच लोगों को नामजद किया है। गांव में झगड़े के बाद तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसके चलते गांव में पुलिस बल तैनात है। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। लड़पुरा गांव के बाहर मुख्य द्वार बना है, जिस पर लखपत सिंह का नाम लिखा है। गांव के रहने वाले राहुल पक्ष के लोगों का कहना है कि यह मुख्य द्वार ग्राम समाज की जमीन पर है, जिसके चलते इस पर किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं होना चाहिए। इस पर ग्राम समाज लड़पुरा लिखा जाए। दूसरे पक्ष मोहित का आरोप है कि उनके पूर्वजों के नाम पर गेट बनाया गया है। गेट पर उनके पूर्वज लखपत सिंह का नाम ही रहेगा। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच काफी दिन से तनातनी चल रही थी। इसको लेकर गांव में दोनों पक्षों के बीच पंचायत भी हो चुकी है, लेकिन कोई निर्णय नहीं निकला। मंगलवार को राहुल पक्ष के कुछ लोग इकट्ठा हुए और गेट पर लिखे लखपत सिंह के नाम पर कालिख पोत दी। यह बात जब मोहित पक्ष के लोगों को पता चली तो वे मौके पर पहुंच गए। इसी बीच दोनों पक्षों के बीच मारपीट, पथराव और फायरिंग हुई। इस बीच सड़क पर जाम की स्थिति बन गई और लोग इधर-उधर जान बचाकर भागे। काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस मौके पर पहुंची तो पुलिस के सामने भी लोगों ने बवाल मचाया। कासना कोतवाली पुलिस ने इस मामले में राहुल पक्ष के नितिन, अमित अनुराग, श्याम, अमित और मोहित पक्ष के सुमित, जुगेंदर प्रदीप और जितेंद्र समेत कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

फर्जी वीजा और पासपोर्ट बनाने वाले दबोचे

नोएडा। फेज-1 पुलिस ने बुधवार को फर्जी वीजा और पासपोर्ट बनाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने कुशीनगर के दो बेरोजगार युवकों से 35-35 हजार रुपये लेने के बाद अल्जीरिया के लिए फर्जी वीजा और टिकट दे दिए थे। पुलिस को रवि प्रताप सिंह ने शिकायत दी कि वह और उसका दोस्त शिवेंद्र प्रताप सिंह बेरोजगार होने के कारण विदेश में जाकर नौकरी करना चाहते थे। इसी दौरान उन्होंने सोशल मीडिया पर विज्ञापन देखा, जिसमें वीजा और पासपोर्ट समेत अन्य दस्तावेज बनवाने की सूचना दी। विज्ञापन में दिए गए नंबर पर कॉल कर रवि और उसके दोस्तों ने अल्जीरिया जाने की बात कही। इसी क्रम में बीते आठ जुलाई को मयूर विहार के रविंद्र कुमार और लालू यादव उर्फ गुड्डू से रवि और उसके साथी की मुलाकात हुई। दोनों ने साक्षात्कार लिया और 24 जुलाई को नोएडा के सेक्टर-3 स्थित अपने ऑफिस बुलाकर 35-35 हजार रुपये अल्जीरिया भेजने के लिए पासपोर्ट व टिकट के नाम पर ले लिए। बाद में पीड़ितों को पता चला कि वीजा और टिकट सब फर्जी हैं। दोनों जब ऑफिस पहुंचे तो उस पर ताला लटका था। आसपास मिले लोगों को बताया कि इन दोनों लोगों ने उनके साथ भी धोखाधड़ी की है। यह भी पता चला है कि ये दोनों पहले भी काफी लोगों से धोखाधड़ी कर-के पैसा ठग चुके हैं। कई अन्य शहरों में भी आरोपी पूर्व में दफ्तर खोलकर ठगी कर चुके हैं। उन्होंने बिहार के पटना में भी फर्जी रूप से ऑफिस खोल रखा था। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ितों की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। देर शाम पुलिस ने गिरोह में शामिल बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी रविंद्र प्रताप सिंह और हरौला निवासी मोहित कुमार को गिरफ्तार कर लिया। बीते साल भी फेज- 1 पुलिस ने विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया था।

दलित युवती से बलात्कार के आरोपी को बिहार पुलिस ने नोएडा से पकड़ा

नोएडा । दलित युवती के साथ बलात्कार करने तथा उसका अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोपी को बिहार पुलिस ने नोएडा के थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सलारपुर गांव से गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बिहार की रोहतास जिला पुलिस ने आज सलारपुर गांव में छापा मारा और आरोपी अक्षय कुमार को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि आरोपी के खिलाफ बिहार के रोहतास जिले में दलित लड़की के साथ बलात्कार करने तथा उसका अश्लील वीडियो सोशल मीडिया वायरल करने का मामला दर्ज है। सिंह ने बताया कि बिहार पुलिस आरोपी को लेकर नोएडा से रवाना हो गई है।

नोएडा में बारिश के बाद स्थिति बेहाल, सड़कें जलमग्न, पुलिस थानों में घुसा पानी

नोएडा,। नोएडा में बुधवार सुबह से हो रही तेज बारिश के बाद सड़कों पर पानी भर गया। कई घंटों की बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत तो दी, लेकिन लोगों के सामने एक नई समस्या खड़ी हो गई। नोएडा की ज्यादातर महत्वपूर्ण सड़कों पर जल जमाव हो गया है। नोएडा का बोटेनिकल गार्डन, सेक्टर 18 अंडरपास, फिल्म सिटी एरिया, महामाया मोड, सेक्टर-37, सेक्टर-62, सेक्टर-63, रजनीगंधा एरिया समेत कई जगहों पर भारी जलजमाव देखने को मिल रहा है। जलजमाव से सड़कों पर

भीषण जामः बारिश के चलते नोएडा में जगह-जगह पर जलजमाव की स्थिति हो गई है। पानी जमा होने से सड़कों पर लंबा जाम लगा रहा। बोटेनिकल मेट्रो स्टेशन के सामने भी भीषण जाम जैसी स्थिति बनी रही। सेक्टर 44 से सेक्टर 18 की तरफ जाने वाले मार्ग भी घंटों वाहनों की लंबी लाइन लगी रही। कई घंटों तक रेंग रेंग कर वाहन चलते रहे। सेक्टर 82 अंडर पास के पास का पूरा इलाका जलमग्न हो चुका। नोएडा एक्सप्रेस वे फिल्म सिटी के पास पानी भरने से सेक्टर 62 और आसपास के अन्य दर्जनों इलाकों मे लोगों को भारी समस्या झेलनी पड़ रही है। जलमग्न हुए कई पुलिस थानेः भारी बारिश के बाद नोएडा के कई पुलिस थानों में भी पानी भर गया है। नोएडा के सेक्टर 63 थाना, महिला थाना, सेक्टर 49 थाना, सेक्टर 20 थाना और कुछ एसीपी ऑफिस में पानी घुस गया है। कई सरकारी कार्यालय में भी पानी घुसा है, जिससे काफी परेशानी हो रही है। जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर के इलाकों में भी घुटने तक पानी भरा होने से वहां के लोगों को काफी परेशानी हो रही है।

ई-रिक्शा में मिले 45 लाख रुपये की जांच शुरू

नोएडा। सेक्टर-113 थाना क्षेत्र में पुलिस ने मंगलवार देर रात चेकिंग के दौरान ई-रिक्शा से 45 लाख रुपये बरामद किए। सभी नोट 500 के थे। नोएडा पुलिस ने इसकी सूचना देर रात इनकम टैक्स विभाग के अधिकारियों समेत अन्य विभाग को दी। हवाला के एंगल से भी मामले की जांच की जा रही है। एडिशनल डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि मेरठ निवासी जगजीवन उर्फ जग्गू को रोककर पुलिस ने उसके बैग की तलाशी ली तो उसमें 45 लाख रुपये मिले। जग्गू से इस मामले को लेकर बुधवार को भी पूछताछ की गई। इस मामले में ई-रिक्शा चालक की भूमिका की भी जांच की जा रही है। आशंका जाहिर की जा रही है कि दो हजार के नोट के बदले जग्गू किसी को 500-500 के नोट देने जा रहा था। पुलिस की टीम यह पता लगा रही है कि यह रकम कहां ले जाई जा रही थी। बीते माह सेक्टर- 20 और सेक्टर-39 थाना क्षेत्र से भी हवाला के लाखों रुपये बरामद हुए थे।

दीपक हत्याकांड मामले में पांच दोषियों को उम्रकैद की सजा

सोनीपत। युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में सुनवाई करते हुए पांच को दोषी करार दिया है। दोषियों में युवक की प्रेमिका, उसका पिता, चाचा व दो चचेरे भाई शामिल हैं। दोषियों को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। युवती ने अदालत ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया था। कोर्ट ने सभी को दोषी माना और सजा सुनाई।

यह था मामला

गांव मटिंडू निवासी सेवानिवृत्त फौजी समुंद्र ने 20 फरवरी, 2018 को खरखौदा थाना पुलिस को बताया था उनका बड़ा बेटा दीपक (18) खेतीबाड़ी करता था और रात को पशुबाड़े में सोता था। वह 19 फरवरी, 2018 की रात को नौ बजे खाना खाकर पशुबाड़े में सोने के लिए चला गया था। 20 फरवरी, 2018 की तड़के करीब 5 बजे वह पशुओं को चारा डालने के लिए पशुबाड़े में गए तो दरवाजा खुला था। दीपक कमरे के फर्श पर रक्तरंजित पड़ा था। फर्श पर दो खाली खोल पड़े हैं। चारपाई पर एक मैगजीन पड़ी हुई है। गांव के ही सुधीर की बेटी शिक्षा उसके बेटे के पास ना केवल फोन करती और मिलती थी। समुंद्र का आरोप था कि इसी रंजिश के चलते सुधीर, उसके भाई जोगेंद्र उर्फ जोगा, भतीजे राकेश व विकास ने उसके बेटे को गोली मारी थी। पुलिस ने चारों पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया था। खरखौदा पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए लड़की को 27 फरवरी, 2018 को गिरफ्तार कर लिया था। परिजनों के कहने पर दीपक हत्याकांड की जांच गुरुग्राम पुलिस को दी गई थी। गुरुग्राम पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए 31 जुलाई, 2019 को अन्य आरोपियों को पकड़ लिया था। युवती शिक्षा के पिता सुधीर, चाचा जोगेंद्र व चचेरे भाई बीएसएफ में जवान विकास व राकेश को गिरफ्तार किया था। विकास व राकेश सगे भाई सभी आरोपियों को अदालत में पेश कर अदालत के आदेश पर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने पांचों आरोपियों को दोषी करार दिया। अदालत ने बुधवार को पांच दोषियों को उम्रकैद व 10 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई। विकास को शस्त्र अधिनियम में भी दोषी माना गया। उसे शस्त्र अधिनियम में तीन साल कैद व पांच हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। सभी सजा साथ साथ चलेंगी।

राम रहीम ने सोशल मीडिया से दूरी बनाई

सिर्फ सिरसा डेरे में किया जा रहा संदेशों का लाइव प्रसारण, हनीप्रीत भी नजर नहीं आई साथ

हिसार। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम ने इस बार रोहतक की सुनारिया जेल से पैरोल पर बाहर आने के बाद सोशल मीडिया से दूरी बनाई हुई है। राम रहीम अबकी बार सोशल मीडिया पर लाइव नहीं आ रहा। डेरा प्रबंधन राम रहीम का UP के बरनावा आश्रम से लाइव ब्रॉडकास्ट केवल सिरसा डेरा सच्चा सौदा में ही किया जा रहा है। ऐसे में अबकी बार प्रेमियों को संदेश है कि यदि उन्हें डेरा प्रमुख का सत्संग सुनना है तो वे केवल डेरे में आएं। इससे सोशल मीडिया पर प्रवचन सुनने वाले डेरा प्रेमी निराश हैं।

राम रहीम के सैंटएमएसजी यूट्यूब और फेसबुक चैनल पर उसका लाइव बंद कर दिया गया है। इसलिए प्रेमी सिरसा डेरे में आकर ही सत्संग सुन रहे हैं। राम रहीम ने अभी तक 5 सत्संग किए हैं। दूसरी ओर UP के बरनावा आश्रम में भी केवल वहीं सेवादार जा रहे हैं, जिनकी ड्यूटी लगाई जा रही है।

हनीप्रीत भी नहीं दिखाई दी साथ-राम रहीम जेल से 20 जुलाई को बाहर आया। उसने बाहर आते ही अपनी एक वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड की, जिसमें बाढ़ के कहर से बचने के लिए वह भगवान से प्रार्थना करता है। साथ ही डेरा प्रेमियों को राहत व बचाव कार्य में भाग लेते हुए अपना ध्यान रखने का संदेश दिया था, परंतु अबकी बार राम रहीम ने अपनी गोद ली हुई बेटी हनीप्रीत के साथ कोई वीडियो शेयर नहीं की। हनीप्रीत के भी सभी सोशल मीडिया अकाउंट पर राम रहीम के साथ कोई नया वीडियो नहीं है।

राम रहीम अब तक 3 बार UP के बरनावा आश्रम में पैरोल काट चुका है। अब चौथी बार आया है। पिछली बार उसके अलसुबह सैर से लेकर, बिस्तर संभालने, घुड़सवारी, ऑर्गेनिक फार्मिंग जैसे सभी वीडियो उसने खुद सोशल मीडिया अकाउंट पर अपलोड किए थे, लेकिन अबकी बार वह इनसे बच रहा है।

20 जुलाई को पैरोल पर आया राम रहीम

राम रहीम 20 जुलाई को पैरोल पर आया है। उसे 30 दिन की पैरोल मिली है। राम रहीम का 15 अगस्त को जन्म दिवस है। राम रहीम पहली बार जेल से बाहर आकर अपना जन्म दिन क्र के बरनावा आश्रम में मनाएगा। डेरा अबकी बार इस जन्म दिन को यादगारी बनाने की योजना बना रहा है। हर साल डेरा प्रेमी राम रहीम के जन्मदिन पर पौधारोपण करते हैं।

फतेहाबाद में रात को भीषण हादसा: मजदूरों से भरी जीप-ट्राली खंभे से टकरा अहाते में घुसी

फतेहाबाद। हरियाणा के फतेहाबाद के जाखल में देर रात एक जीप-ट्रॉली अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराते हुए शराब अहाते में जा घुसी। जीप और ट्रॉली में ड्राइवर समेत 12 लोग सवार थे। इनमें से एक खेत मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 11 लोगों को सरकारी हॉस्पिटल लाया गया। घायलों में 5 को गम्भीर हालत में अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। 5 अन्य को हल्की फुलकी चोटें लगी। सुबह उन्हें भी अग्रोहा पीजीआई भेज दिया गया। घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई।

जानकारी के अनुसार जाखल निवासी किसान सतगुरु सिंह अपने खेत में धान लगाने के लिए डबवाली के गांव मौजगढ़ से पनीरी लेने गया था। जीप में उसके 11 मजदूर भी सवार थे। रात्रि 12:00 बजे वह जीप के पीछे जुड़ी ट्राली में धान की पौध और करीब 11 मजदूरों को लेकर वापस जाकर आ रहा था। चंडीगढ़-बुढलाडा रोड पर जीप एक्सिस बैंक के पास बेकाबू होकर बिजली के खंभे से जा टकराई। इसके बाद जीप शराब ठेके के अहाते में जा घुसी और ट्राली पलट गई।

हादसे में लखीमपुर यूपी निवासी 26 वर्षीय रोशन लाल की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बाकी 11 लोगों को चोटें लगी। उन्हें तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया जहां से 5 को तुरन्त अग्रोहा रेफर कर दिया गया है। मृतक की तीन साल पहले ही शादी हुई थी, उसका बड़ा भाई हरिद्वार में काम करता है।

घायलों में रणजीत, सुंदर लाल, प्रदीप, रजनीश, राजेश, गोबिंद, यशपाल, रमाकांत, अरुण, सर्वेश व किसान सतगुरु शामिल हैं। गनीमत रही कि दुर्घटना रात के समय हुई नहीं तो दिन के समय यहां काफी चहल-पहल रहती है और यदि हादसा दिन में होता तो जान माल का ज्यादा नुकसान हो सकता था।

बारिश से टूटी सड़कों और नदियों के किनारों को मजबूत करवाएं अधिकारी - डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नदियों के किनारों को मजबूत किया जाए और जहां-जहां सड़कें टूटी हुई हैं उनको जल्द से जल्द दुरुस्त किया जाए। उन्होंने सिरसा जिला के गांव ओटू से लेकर जीवननगर-रानियां रोड की तरफ जाने वाली घग्घर नदी के दोनों किनारों को मजबूत करने और इन किनारों की मोटाई बढाकर उन पर सड़क बनाने के भी निर्देश दिए। डिप्टी सीएम बुधवार को यहां लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने हाल में आई बाढ़ से प्रभावित गांव, खेत-खलिहानों के अलावा नदियों, सड़कों और सरकारी विश्राम गृहों आदि को हुए नुकसान के बारे में रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि राज्य के 12 जिलों में आई बाढ़ एवं कुछ अन्य जिलों के हिस्सों में हुई तेज बारिश के कारण पानी के बहाव से हाइवे सहित कई सड़कों को नुकसान हुआ है। डिप्टी सीएम ने इन सड़कों को शीघ्र ठीक करने के निर्देश देते हुए कहा कि राज्य के लोगों के आवागमन को सुविधाजनक करना हमारी प्राथमिकता में शामिल है और इसके लिए धन की कमी नहीं रहने दी जाएगी। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने प्रदेश की विभिन्न बरसाती ड्रेनों की जानकारी लेते हुए कहा कि इनकी सफाई नियमित होनी चाहिए तथा रुकावट को दूर करके ग्रामीण आबादी और खेतों से पानी की निकासी तुरंत की जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण आबादी को बाढ़ के पानी से बचाना सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने प्रदेश से गुजरने वाली नदियों की बाढ़ की रिपोर्ट लेते हुए कहा कि जहां-जहां आवश्यकता है, वहां-वहां नदियों और नहरों के किनारों को मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि किनारे चौड़े और मजबूत होने से मॉनिटरिंग करने और यातायात के लिए भी प्रयोग किया जा सकेगा। डिप्टी सीएम ने कहा कि घग्घर नदी, जो सिरसा जिला के गांव ओटू से लेकर जीवन नगर-रानियां रोड (राजस्थान बॉर्डर की तरफ जाने वाली सड़क) की ओर जाती है, के किनारों को और अधिक चौड़ा करके मजबूत किया जाए। इन चौड़े किनारों पर सड़क भी बनाई जाए। इससे जहां क्षेत्र के करीब दो दर्जन गांव बाढ़ के भय से मुक्त हो जाएंगे , वहीं इस सड़क का उपयोग यातायात के लिए भी हो सकेगा। उपमुख्यमंत्री ने राज्य के लोक निर्माण विभाग के विभिन्न विश्राम गृहों की भी रिपोर्ट ली, जहां पर नए विश्राम गृह बनाए जा रहे हैं वहां की प्रगति रिपोर्ट भी ली।

नगर निगम ने मॉडल टाऊन में किए दो अनाधिकृत निर्माण सील-अदिति, संयुक्त आयुक्त

करनाल। अवैध निर्माण को रोकने के लिए नगर निगम सख्ती बरत रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को शहर के मॉडल टाऊन में जनता की ओर से प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेकर नगर निगम की डीटीपी टीम ने पतंजलि शोरूम के सामने दो भवनो पर कार्रवाई करते हुए उन्हें सील कर दिया। नगर निगम की संयुक्त आयुक्त अदिति ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपरोक्त भवन को लेकर नागरिकों की ओर से नगर निगम को शिकायतें दी गई थी, यह भी जानकारी मिली थी कि बिल्डिंग का नक्शा भी पास नहीं है और इसका निर्माण अनाधिकृत रूप से किया गया है। नियमानुसार आवासीय क्षेत्र में व्यवसायिक निर्माण नहीं किया जा सकता। जनता के साथ-साथ निगम के पास भी अवैध निर्माण को लेकर जानकारी थी, जिसमें सम्बंधित भवन निर्माणकर्ताओं को दो नोटिस दिए गए थे। लेकिन उनकी ओर से कोई पालना नहीं की गई थी। परिणामस्वरूप नगर निगम

अधिनियम 1994 की धारा 263ए(1) के तहत कार्रवाई करते हुए दोनो अवैध निर्माण को सील कर दिया गया। इसके लिए उप निगमायुक्त विनोद नेहरा को ड्यूटी मजिस्ट्रेट बनाया गया था। सील करने गई टीम में सहायक नगर योजनाकार संदीप राठी, भवन निरीक्षक विकास अरोड़ा तथा पुलिस बल भी था। खास बात यह है कि इस कार्रवाई में किसी तरह का विरोध नहीं हुआ, यानि सील करने की कार्रवाई शांतिपूर्ण सम्पन्न हो गई। संयुक्त आयुक्त अदिति ने इस कार्रवाई के बाद कहा कि अनाधिकृत निर्माण को लेकर जो भी शिकायतें नगर निगम में आएंगी, उन पर अवश्य कार्रवाई की जाएगी। वैसे भी नगर निगम अवैध निर्माण पर नजर रखे हुए है, ऐसी सूचनाएं मिलते ही कथित व्यक्तियों को नोटिस दिए जाते हैं। अवैध निर्माण न रोकने पर कार्रवाई अवश्यक की जाएगी। उन्होंने कहा कि भवन मालिकों को अपने अधिकार क्षेत्र में ही निर्माण करना चाहिए, उससे बाहर नहीं जाना चाहिए। आवास के आगे बड़े-बड़े रैम्प बनाना भी अनाधिकृत निर्माण की श्रेणी में आता है, ऐसी शिकायतों पर भी कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करता है, तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

फूसगढ़ स्थित गौशाला में दुधारू गाय खरीदने की खुली बोली 3 को

करनाल। नगर निगम की देखरेख में संचालित फूसगढ़ स्थित गौशाला में मौजूद दुधारू व गर्भावस्था की गाय खरीदने की खुली बोली 3 अगस्त गुरूवार को गौशाला परिसर में की जाएगी। इससे पहले भी 20 जुलाई को बोली का कार्यक्रम रखा गया था। कोई भी व्यक्ति बोली में भाग लेकर अपनी पसंद की गाय खरीदकर उसका मालिक बन सकता है।

क्या है नियम- इस बारे निगमायुक्त अभिषेक मीणा ने बताया कि फूसगढ़ स्थित गौशाला में गायों की संख्या काफी बढ़ गई है। हालांकि इनकी देखरेख के लिए सभी इंतजाम मौजूद हैं। इनमें दुधारू व गर्भवती गाय हैं। नगर निगम की ओर से इनकी ब्रिकी का कार्यक्रम बनाया गया है, जितनी गाय बिकती रहेंगी, उनकी जगह सडक़ पर भटकती गायों को उठाकर इसमें रखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि बीत गई बोली में 5 लोगों ने भाग लिया था, जिसमें 3 गाय, मात्र 63 हजार 400 रुपये में बिक गई। अब 3 अगस्त को भी इसी तरह की बोली का कार्यक्रम बनाया गया है, जो प्रात: 10 बजे गौशाला परिसर में की जाएगी। वर्तमान में ऐसी गायों की संख्या 50 के करीब है।

बोली को लेकर तय किए गए नियमो की जानकारी देते उन्होंने बताया कि कोई भी व्यक्ति खुली बोली में भाग ले सकता है। इसके लिए 10 हजार रुपये की प्रतिभूति राशि जमा करवानी होगी। रिजर्व प्राईस भी 10 हजार रुपये रखा गया है। एक सिक्योरिटी पर 3 गायों की बोली दे सकते हैं। बाकि के नियम व शर्तें मौके पर ही बताई जाएंगी। लेकिन बोली के बाद गाय लेने से मना करने पर सिक्योरिटी राशि वापिस नहीं दी जाएगी।

गायों की बोली के लिए कमेटी गठित- उन्होंने बताया कि गायों की बोली को लेकर जो प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी, उसके लिए उप निगमायुक्त की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें वरिष्ठ लेखा अधिकारी, सचिव, मुख्य सफाई निरीक्षक व गौशाला के केयर टेकर शामिल गए हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि फूसगढ़ स्थित गौशाला में इस समय 706 गाय और 316 नंदी मौजूद हैं व सभी स्वस्थ्य अवस्था में हैं।

जिले में मतदाता सूची के शुद्धिकरण का कार्य जोरो पर: एसडीएम

पानीपत। इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया के मार्गदर्शन में आयोजित की गई वर्चुअल ट्रेनिंग में जिला इलेक्शन कार्यालय के अधिकारियों को मतदाता सूची की शुद्धि को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उपायुक्त डॉ.वीरेंद्र कुमार दहिया के निर्देश पर एसडीएम वीरेंद्र सिंह ढूंल ने जानकारी देते हुए बताया कि मतदाता होने गर्व की बात है। हर युवा जो 18 वर्ष का हो चुका है अपना मत जरूर बनवाना चाहिये। मत हमारी पहचान है। जिले में मतों के बनाने का कार्य किया जा रहा है। अधिकारियों का 21 जुलाई से 28 अगस्त तक जिले में मतदाता सूची के शुद्धिकरण को लेकर कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता सूचि का शुद्धिकरण कर रहे हैं।

वर्चुअल ट्रेनिंग में एसडीएम ने बताया कि 17 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक(शनिवार व रविवार) दावे व आपत्तियां दर्ज की जाएंगी। 21 अक्तूबर से 22 अक्तूबर तक तक(शनिवार व रविवार) व 4 नवंबर से 5 नवंबर तक के पोलिंग स्टेशन पर शिविरों का आयोजन करके मतदाता सूची का शुद्धिकरण किया जाएगा।

उन्होंने वर्चुअल ट्रेनिंग के माध्यम से कहा कि मतदाता सूची शुद्धीकरण को लेकर हमें ध्यान

पूर्वक कार्य करने की जरूरत है। बीएलओ डोर टू डोर ध्यान पूर्वक कार्य करें। कोई भी घर ना छुटे इस बात का ध्यान रखें। रिपोर्ट को समय पर आगे भेजें। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बीएलओ स्कूल की समाप्ति के बाद मतदाता सूची पर कार्य करें। क्योंकि फिजिकल वेरीफिकेशन के बाद ही सही तस्वीर आती है। उन्होंने कमीशन की नई गाइड लाइन को भी वर्चुअल ट्रेनिंग के दौरान बताया।

उन्होंने बताया की सभी बीएलओ इस बात का ध्यान रहे कि व मतदाता सूचि में कोई वीआईपी,पत्रकार या खिलाड़ी का किसी भी तरह से वोट कटा ना हो इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इन पर गंभीरता से कार्य करें। वोट के लिए जो फॉर्म भरने जरूरी है उन्हें अवश्य भरे व गंभीरता से कार्य करें।

उन्होंने अधिकारियो को निर्देश दिये की जो लोग नेपाल से आकर या बांग्लादेश से आकर यहां रह रहे हैं उनका किसी भी सूरत में वोट न बनाएं क्योंकि यह गंभीर विषय है। समय-समय पर पॉलिटिकल पार्टियों के साथ बैठकर कर तालमेल स्थापित करें व उन्हें यथा स्थिति से अवगत कराने का कार्य करते रहें। इस मौके पर नगराधीश राजेश कुमार सोनी, एसडीएम वीरेंद्र कुमार ढुल, एसडीएम समालखा अमित कुमार, नायब तहसीलदार सुदेश राणा, निर्वाचन कानूनगो सोनिया, अमरेद्र, महेंद्र, कमल मौजूद रहे।

बिजली विभाग के शिकायत केंद्र की शिकायत कौन दूर करेगा !

नीलोखेड़ी। बिजली विभाग द्वारा शहर में कार्यरत शिकायत केन्द्र में तैनात कर्मचारी अपनी जान को जोखिम में डालकर लोगों की बिजली संबंधी शिकायतों का निवारण कर रहे हैं, लेकिन अपनी शिकायतों के निवारण होने के लिए लंबे अरसे से इंतजार कर रहे हैं। वास्तव में 1950 के दशक में बने इस शिकायत केन्द्र, जिसे 25 नम्बर भी कहा जाता है, के कमरों की जर्जर हालत के चलते कारण कर्मचारियों का अन्दर बैठना भी किसी खतरे से कम नहीं है। विशेषकर बरसात के दिनों में इन कमरों में 2 से 4 फुट बरसाती पानी जमा हो जाता है। एक कमरे में रखे हाई वोल्टेज ट्रांसफार्मर के चलते हर समय हादसे का अंदेशा बना रहता है। नतीजतन बरसात के दिनों में यह कर्मचारी सड़क पर बैठकर अपनी ड्यूटी देते हैं। कर्मचारियों के लिए शौचालय तक नहीं होने के कारण हालातों का अंदाजा लगाया जा सकता है।

बिजली बोर्ड के एसडीओ बोले-बिजली बोर्ड के एसडीओ पलविन्द्र कौशल ने बताया कि शिकायत केन्द्र की मरम्मत के लिए विभागीय एसडीओ (सिविल) को लिखा जा चुका है। जल्दी ही इसकी मरम्मत सहित सभी सुविधाएं मुहैया करवा दी जाएंगी। इसके अतिरिक्त शहर के उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी शिकायतों के लिए पर्याप्त कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई हुई है। उपभोक्ताओं को कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

इग्नू से करें मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर: डा धर्म पाल

पानीपत। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक प्रभारी डा धर्म पाल ने बताया की हमारे जीवन में दिन-प्रतिदिन बढ़ते तनाव के कारण आजकल मनोवैज्ञानिकों की मांग काफी बढ़ रही है। अब मनोवैज्ञानिकों के पास जाना वर्जित नहीं माना जाता है, जबकि विगत कुछ वर्षों तक लोग मनोवैज्ञानिक के पास जाना पसंद नहीं करते थे। आजकल कुछ विद्यालयों और महाविद्यालयों में मनोवैज्ञानिक या परामर्शदाता की नियमित व्यवस्था की जाती है। यह व्यवस्था विद्यार्थियों और अध्यापकों दोनों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई है। अधिकतर लोकप्रिय शाखाओं के अलावा औद्योगिक तथा खेल मनोविज्ञान जैसे क्षेत्रों में भी नौकरी के अवसर बढ़े हैं। ये दोनों शाखाएं अभी भी भारत में प्रारंभिक या मूल अवस्था में है, लेकिन इसके विकास की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं।

उन्होंने बताया कि अन्य व्यवसायों की औसत दर के समान ही तीव्र गति से मनोवैज्ञानिकों की भी मांग बढ़ रही है। स्वास्थ्य देखभाल संबंधी रोजगार के अवसर बढ़ते जा रहे हैं। इसी प्रकार मनोविकार तथा आचरण संबंधी दुर्व्यवहार के उपचार के क्लीनिक भी खुलते जा रहे हैं। स्कूलों, सामाजिक सेवा की सरकारी एजेंसियों तथा प्रबंधन परामर्श सेवाओं में भी रोजगार के अनगिनत द्वारा खुल गए हैं। सर्वेक्षण, डिजाइन, विश्लेषण और अनुसंधान के क्षेत्र में कंपनियां मनोवैज्ञानिकों की विशेषज्ञता का लाभ उठा रही हैं, ताकि बाजार मूल्यांकन एवं सांख्यिकीय विश्लेषण किया जा सके। इस क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं बारहवीं तथा अधिकांश विश्वविद्यालयों में बीए स्तर पर मनोविज्ञान विषय पढ़ाया जाता है। स्नातक के बाद विद्यार्थी मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री की पढ़ाई कर सकता है। उन्होंने बताया इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय(इग्नू) स्नातकोत्तर स्तर पर मनोविज्ञान में एमए करवाती है जिसकी कुल फीस 18,600/- और विद्यार्थी को प्रतिवर्ष 9300/-रुपये जमा करनी है इस पाठ्यक्रम को पूरा करने की न्यूनतम अवधि 2 वर्ष और अधिकतम अवधि 4 वर्ष है इस पाठ्यक्रम में दाखिला लेने की उम्र की कोई बाध्यता नहीं है।

ओ. पी. एस. विद्या मंदिर में बहुप्रतीक्षित अलंकरण समारोह का आयोजन

करनाल। ओ. पी. एस. विद्या मंदिर में शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के लिए बहुप्रतीक्षित अलंकरण समारोह जोश व उत्साह के साथ आयोजित किया गया।विद्यालय की हेड गर्ल के रूप में सुश्री दिशा कक्षा बारहवीं तथा हेडब्वॉय के रूप में मास्टर शिवम शर्मा कक्षा बारहवीं का चयन किया गया ।इस कार्यक्रम में विद्यालय की चेयरपर्सन श्रीमती सुषमा बंसल जी के साथ मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अमन बंसल जी एवं अकेडमिक डायरेक्टर। मैडम पूर्ति बंसल जी ने शिरकत की। इस कार्यक्रम का आयोजन भव्य नवनिर्मित ऑडिटोरियम में किया गया। इस शुभ अवसर पर सर्वप्रथम विद्यार्थियों ने परेड करते हुए मुख्य अतिथि को सलामी दी।उसके उपरांत मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। समारोह की शुरुआत में सर्वशक्तिमान श्री हनुमान जी को नमन करते हुए हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। तदुपरांत प्रधानाचार्या महोदया ने सभी का स्वागत करते हुए इस अवसर पर अपना वक्तव्य रखा जिसके अंतर्गत उन्होंने अलंकरण समारोह के महत्व के बारे में बताया। अपने-अपने सदन के ध्वज के साथ अर्धवृत्ताकार घेरे में खड़े सदन के कप्तान, उप कप्तान ,परफेक्ट , सभी कक्षाओं के प्रतिनिधि एवं अन्य सदस्य अत्यंत मनमोहक लग रहे थे। इस दौरान नवनिर्वाचित छात्र परिषद के प्रतिनिधियों को बैज एवं सैशे पहनाकर सम्मानित किया और शपथ दिलाई गई कि वे सभी अपने निर्धारित कर्तव्य को पूर्ण रूप से सत्य निष्ठा के साथ निभाएंगे।

नवनिर्वाचित विद्यार्थियों ने स्कूल की बेहतरी के लिए ईमानदारी से काम करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की बेहतरीन प्रस्तुति दी। सभी व्यक्तियों ने इस कार्यक्रम की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। विद्यालय की चेयर पर्सन श्रीमती सुषमा बंसल जी ने नवनिर्वाचित सदस्यों को अपने कर्तव्यों को पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन करने की सीख दी। विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अमन बंसल जी ने नवनिर्वाचित छात्र परिषद के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सबको बहुत बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई है, तो आप सब का कर्तव्य बनता है कि एकनिष्ठ रहकर ईमानदारी से कार्य करें क्योंकि विद्यार्थियों से ही विद्यालय की पहचान होती है।विद्यालय की एकेडमिक डायरेक्टर मैडम पूर्ति बंसल जी ने नवनिर्वाचित छात्र परिषद के प्रतिनिधियों को कहा कि युवा नेता न केवल मार्गदर्शन करते हैं, बल्कि अन्य छात्राओं को भी अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं ।अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉज़ जसजीत सूद जी ने अपने संबोधन में नवनिर्वाचित स्कूल कैबिनेट को बधाई दी और उन्हें हर कार्य में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया और आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

बरसती बूँदें और आपकी देखभाल

मौसम बदल रहा है। बूँदाबाँदी गर्मी की तपन को कुछ देर समेटती है और तन-मन को थोड़ा सुकून मिलता है, पर कुछ ही देर में उमस उस राहत पर पानी फेर देती है।

तो इस बदलते मौसम का स्वागत इस तरह से करें कि आपका स्वास्थ्य और सौंदर्य इससे प्रभावित न हो, बस कुछ छुटपुट बातों पर ध्यान दें :

- अपनी त्वचा को साफ करें और हफ्ते में तीन बार हल्का स्क्रब करें, जिससे कि त्वचा पर जमी गंदगी की परत निकल जाए। इसके लिए सबसे अच्छा स्क्रब जौ का दलिया होता है। इसको गुनगुने पानी में मिलाकर पतला पेस्ट तैयार करें। आँखों के आसपास को छोड़कर इसे पूरे चेहरे पर लगा लें और थोड़ी देर बाद गीली रुई से पोंछ लें। ठंडे पानी से मुँह धो लें।
- फेशियल मास्क के लिए मौसमी फलों का इस्तेमाल करें, जो ठंडे होते हैं और नमी बनाए रखते हैं। ताजे फलों के ज्यूस या गूदे को जल्द से जल्द इस्तेमाल कर लें, इससे पहले कि वह विटामिंस और गुण खो दे।
- अंगूरों में ढेर सारी मिठास, विटामिंस और मिनरल सॉल्ट होते हैं, जो त्वचा की नमी बरकरार रखकर, विषैले पदार्थ निकालने में मदद करते हैं। इसका इस्तेमाल आँखों व मुख के आसपास की झुर्रियों पर करें।
- तरबूज में विटामिन 'ए' होता है और पोटेशियम अच्छी नमी प्रदान करता है।
- मुरझाई हुई त्वचा के लिए लीची बेहतरीन है। इससे मुँहासे, काले धब्बे व झाइयाँ हटाने में मदद मिलती है।
- मिल्क पावडर में खीरे का रस और गुलाब जल की कुछ बूँदें मिलाकर चेहरे पर लगाएँ। नाजुक त्वचा तथा गोरेपन के लिए यह बेहतरीन है।
- नारियल के पानी से धूप की वजह से पड़ी रैशेज हल्की होकर त्वचा चमकदार बनती है।
- उमस भरे इन दिनों में ज्यादा पानी पीजिए, ताकि पसीने द्वारा शरीर में होती पानी की कमी को पूरा किया जा सके। त्वचा का अंदरूनी पोषण व सफाई बहुत आवश्यक है।

नाखूनों की देखभाल

हर बार हाथ धोने के बाद विटामिनयुक्त क्रीम लगाएँ, ताकि सूखी त्वचा से होने वाली झुर्रियों से बचा जा सके। नेल पॉलिश आपके हाथों को सुंदर दिखाने के साथ ही नाखूनों की देखभाल भी करती है। हाथों में आ रहे पसीने को कम करने के लिए, धोने के बाद हाथोंको अच्छी तरह से पोंछकर सुखा लें और यूडी कॉलोन की कुछ बूँदें हाथों पर मल लें।

पैरों की देखभाल

सुंदर और आकर्षक पैर पाने के लिए इस विधि का उपयोग करें -1/4 कप पानी में 1 बड़ा चम्मच नमक डालकर 15 मिनट तक मसाज करें और गर्म पानी से धोकर पैरों की क्रीम लगाएँ। गुनगुने पानी में बैकिंग सोडा मिलाकर, उसमें 1 मिनट तक पैर डालें और प्यूमिक स्टोनद्वारा मृत और मुरझाई त्वचा को निकाल दें। सुबह-शाम पैरों और एड़ियों में क्रीम लगाएँ।

शरीर की देखभाल

- नहाने के पानी में चंदन का तेल या नीबू के एसेंशियल ऑइल की कुछ बूँदें मिलाएँ, जिससे आप ठंडक और ताजगी महसूस करेंगे।
- सुंदर और चमकदार त्वचा के लिए नहाने के पहले दो छोटे चम्मच नमक, आधा बड़ा चम्मच नारियल तेल और आधा चम्मच नीबू का रस मिलाकर मसाज करें। यह आपकी त्वचा को पोषण देगा। अपने पसंदीदा टैलकम पावडर में बोरिक पावडर मिलाकर लगाएँ।
- गर्मी से त्वचा में आए रूखेपन को दूर करने के लिए इस मौसम में नारियल के दूध को सारे शरीर पर लगाकर 15 मिनट बाद नहा लें, आप काफी आराम महसूस करेंगी।

मेकअप

- इन दिनों कम से कम मेकअप करें और जितना हो सके, हल्का वाटर-बेस्ट फाउंडेशन ही लगाएँ। फाउंडेशन को रुई के पैड से हल्का-सा लगाएँ, ताकि हल्का और चिकना महसूस हो।
- आँखों को तरोताजा रखने के लिए उन पर आइस्ड टी, रुई के पैड या खीरे के स्लाइस लगाएँ।
- जलती हुई लाल आँखों और खुजली से बचने के लिए गुलाब जल के ठंडे पैड आँखों पर 10 मिनट के लिए रखें।

कुछ बातें काम की

- अमरूद का सेवन पेट से संबंधित समस्याओं का समाधान करता है।
- खजूर का सेवन शरीर को दृढ़ता प्रदान करने के साथ-साथ कमर दर्द की समस्या का भी समाधान करता है।
- हरे धनिए का सेवन स्तन व लिवर कैंसर जैसे गंभीर रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है।
- अनार का सेवन गंदी जीभ की समस्या का समाधान करता है।
- लहसुन का सेवन, गैस की समस्या का समाधान करता है।
- भोजन के उपरांत एक कच्चे प्याज का नियमित सेवन कब्ज के रोगी को स्वस्थ करता है।
- कलौंजी का सेवन या फिर इसका पेट पर लेप करने से पेट के कीड़े मर जाते हैं।
- पुदीने का प्रयोग महिलाओं का स्तन कैंसर से बचाव करता है।
- अनार का रस आंतों को दृढ़ता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- जामुन का सेवन मूत्र मार्ग के संक्रमण की समस्या का समाधान करता है।

पिंक लेडी

सामग्री : आधा कप रोज सिरप, 300 मिली-सोड़ा, 1 कप बर्फ का चूरा, 2 कप पानी 1 टीस्पून सब्जा, 200 मिली ताजी क्रीम।

विधि : रोज सिरप, क्रीम, बर्फ के चूरे और पानी को मिक्स करके ब्लेंड कर लें। अब इसमें सोडा मिलाएं। सब्जा से सजाकर सर्व करें।

सुंदरता पर ग्रहण लगाते नकली व मिलावटी कॉस्मेटिक्स

सौंदर्य प्रसाधनों का बढ़ता बाजार नित नई वस्तुओं से सज रहा है। ऐसे में असली के साथ मिलावटी प्रॉडक्ट्स भी बाजार में खपाए जा रहे हैं। नतीजा ढेर सारी सौंदर्य समस्याएँ। जरूरत है सजगता और सतर्कता की ताकि आप सौंदर्य के इन दुश्मनों से बच सकें।

सुंदर दिखना एक स्वाभाविक चाहत है। इसके कारण कॉस्मेटिक्स उत्पादों की माँग भी लगातार बढ़ी है। इसके बहुत से कारण हैं जैसे मॉल संस्कृति, खरीदने की बेहतर शक्ति, महिलाओं और पुरुषों दोनों में अच्छा दिखाई देने की चिन्ता, नौकरी का स्वरूप, टीवी के विज्ञापन, कॉस्मेटिक उत्पादों की विस्तृत रेंज की उपलब्धता इत्यादि। यूएस कमर्शियल सर्विसेस अमेरिकी दूतावास नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित एक अनुमान के अनुसार भारत में कॉस्मेटिक्स पर होने वाला प्रति व्यक्ति खर्च लगभग तीस रुपए है। वहीं वर्तमान में बाजार में कॉस्मेटिक उद्योग 4,300 करोड़ रुपए का है। पिछले कई सालों में कॉस्मेटिक का इस्तेमाल कई गुना बढ़ गया है जिसका नतीजा यह हुआ है कि इसका उत्पादन निर्यात, वितरण और बिक्री भी बढ़ गई है। लेकिन इस होड़ के कारण नकली उत्पाद तथा गुणवत्ताहीन सामग्री भी बाजार में बड़ी मात्रा में आ रही है। ऐसे उत्पादों में कुछ ऐसे अंश हो सकते हैं जो नुकसानदेह साबित हो सकते हैं, उन पर नियंत्रण किए जाने की जरूरत है। जैसे भौहों, बरौनियों पर या आँखों के आसपास इस्तेमाल किए जाने वाले ऐसे कॉस्मेटिक्स जिनमें कोलतार के डाई हों, या सीसे यापारे के मिश्रण से बनाए जाने वाले कॉस्मेटिक त्वचा व आँखों के लिए घातक हो सकते हैं। कॉस्मेटिक्स के उत्पाद औषधि और कॉस्मेटिक्स अधिनियम 1940 और नियमावली 1945 (अनुसूची 4) के उपबंधों के अनुसार तैयार होने चाहिए। अत: आप जब भी कॉमेटिक्स खरीदेंया उपयोग में लाएँ, सावधानी जरूर अपनाएँ। इस संबंध में उपभोक्ताओं को जागरूक रहने की आवश्यकता है।

आइए देखते हैं कि कास्मेटिक्स को खरीदते समय किन-किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए-

- कास्मेटिक का नाम, निर्माता का नाम और पूरा पता जहाँ कास्मेटिक्स बनाया गया है।
- ठोस के लिए वजन, तरल के लिए तरल के माप इत्यादि का उल्लेख हो।
- सुरक्षित इस्तेमाल के लिए पर्याप्त निर्देश हों।
- ग्राहक द्वारा पालन किए जाने वाले विशेष निर्देश या चेतावनी या सावधानी लिखित में साथ हो।
- ऐसे संघटकों के नाम और मात्राओं का विवरण जो खतरनाक और जहरीले हों।
- एक सुस्पष्ट बैच नंबर हो।
- विनिर्माण लाइसेंस नंबर- इस नंबर से पहले अक्षर 'एम' लिखा जाता है।
- एमआरपी अधिकतम रिटेल मूल्य अंकित हो।

उपयोग करते समय ध्यान रखने योग्य बातें

- रात को सोने से पहले त्वचा को साफ करें और पूरे मेकअप को साफ कर दें।
- एलर्जी संबंधी प्रतिक्रिया करने वाले किसी उत्पाद का इस्तेमाल तुरंत बंद कर दें।
- यदि कॉस्मेटिक्स का रंग बदल जाए या उसमें किसी प्रकार की दुर्गंध आने लगे तो उसे तुरंत फेंक दें।
- उत्पाद का मूल गाढ़ापन वापस लाने के लिए उसमें कभी भी कोई तरल पदार्थ न मिलाएँ।
- अन्य तरल पदार्थ मिलाने से उसमें बैक्टीरिया पैदा हो सकते हैं।
- यदि आँखों में संक्रमण हो तो आँखों के मेकअप का इस्तेमाल न करें।
- कार या बस में चलते समय आँखों में मेकअप न लगाएँ इससे चोट लगने से लेकर अंधेपन जैसी बड़ी बीमारी भी हो सकती है।
- कॉस्मेटिक उत्पादों को सूर्य की रोशनी से दूर रखें।
- कॉस्मेटिक्स को बच्चों की पहुँच से भी दूर रखें।
- जब कॉस्मेटिक इस्तेमाल न किया जा रहा हो तो उसके कंटेनर को कस कर बंद करके रखें।
- हेयर स्प्रे का इस्तेमाल कभी भी धूम्रपान करते हुए या आग के पास न करें।
- हेयर स्प्रे का इस्तेमाल करते समय सावधान रहें क्योंकि इन उत्पादों से साँस की बीमारी भी हो सकती है या फेफड़े खराब हो सकते हैं।

ध्यान रखें कि कॉस्मेटिक अनेक प्रकार के रसायनों से बनाया जाता है। सामान्य सूझबूझ और कुछ एहतियात कॉस्मेटिक के दुरुपयोग के साथ जुड़े खतरों से उपभोक्ता की रक्षा करने में उनकी सहायता करते हैं। ऐसा न हो कि सुंदरता में चार चाँद लगाने की बजाए कोई चीज आपके प्राकृतिक सौंदर्य पर ही खतरा पैदा कर दे। इसलिए कॉस्मेटिक्स का प्रयोग कीजिए मगर ध्यान से।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2898

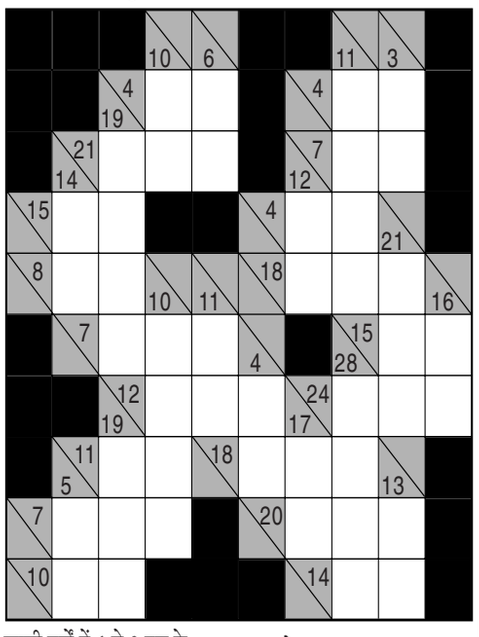

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

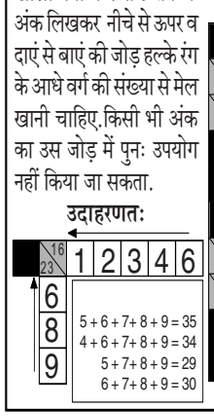

काकुरो - 2897 का हल

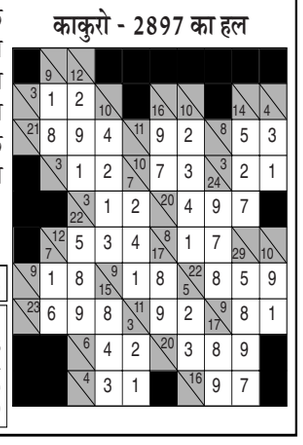

लॉफिंग ज़ोन

विवाह के बाद प्रेमी ने प्रेमिका से कहा कि देखो अब हमारी शादी हो चुकी है।

तुम्हारी कुछ बातें ऐसी हैं, जो मुझे पसंद नहीं आतीं... और मैं तुम्हें वह सब बता देना चाहता हूँ। तुम चाहो तो इन्हें अपनी कमजोरियाँ समझ सकती हो।

प्रेमिका- रहने दो! मुझे अपनी सारी कमजोरियाँ मालूम हैं। आखिर उन्हीं के कारण तो मैं अच्छा पति नहीं पा सकी। इसका मुझे बेहद अफसोस है।

□ □ □

एक मोहल्ले में चल रहे कवि सम्मेलन के दौरान एक कवि मंच पर हाजिर हुआ तो नीचे बैठे श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया।

कवि बहुत ज्यादा उत्सुक था, उसने कहा- मेरे प्यारे श्रोताओं! अब मैं तुम्हे जो कविता आपको सुनाने जा रहा हूँ उसका शीर्षक है- पानी, आग और धुआँ।

भीड़ में से एक श्रोता चिल्लाया- अरे, तो सीधे-सीधे क्यों नहीं कहते कि हुक्का है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2898

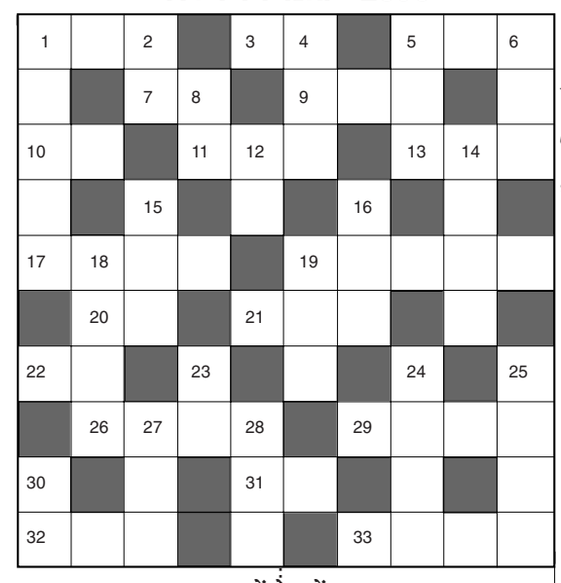

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापरेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अँखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2897

फा		द	ह	क		र	जू	चा	चा
गु	ला	म		री	ना		ही		ल
न		न	सी	ब		दा		जे	बा
	रॉ		मा		जु	ग	नू		ज
फ	की	र		क	मॉ		त	ब्बू	
र्ज		ज	ख्मी		ना	दा	न		ती
	बा	पू		शू		दा		द	स
म		त	ह	ल	का		द		र
क	र्ज		म		जो	शी	ला		कौ
ड़ी		मा	ला	मा	ल		ल	गा	न

सूडोकु -2898

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2897 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

शब्द पहेली - 2898

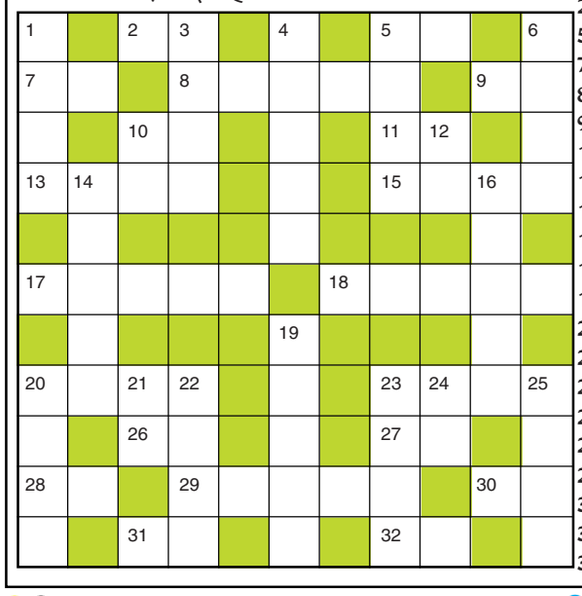

बाएँ से दाएँ

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरुम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपूर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -2897 का हल

का	म	या	ब		र		श	ब	न	म
	म्मी		र	फू	च	क्र	र		मॅ	
आ		मा	स		ना		मा	ह		प्र
स	ह	ला	ना		का		ना	रा	य	ण
	थ				र				ज्ञो	
ह	क	ब	का	ना		अ	प	ना	प	न
	र				ख				वी	
मे	घा	ल	य		ल		क	म	त	र
घ		त	म		ना		ल	त		क्षा
	यं		रा	सा	य	नि	क		कै	
म	हा	रा	ज		क		ल	म्बो	द	र

फटाफटी में रिताभरी का प्रेरक किरदार लोगों को करता है प्रभावित

प्रतिभाशाली अभिनेत्री रिताभरी चक्रवर्ती की बहुप्रतीक्षित फिल्म फटाफटी डिजिटल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर प्रीमियर के लिए तैयार है। दिल छू लेने वाली यह फिल्म एक छोटे शहर के दर्जी फुलोरा भादुड़ी की कहानी बताती है, जिसके पास सपनों को डिजाइन करने की एक प्रतिभाशाली भावना है और वह एक फैशन इंफ्लुएंसर बनने की इच्छा रखती है। हालाँकि, अपने वजन के कारण लगातार उपहास का सामना करने से फुलोरा के सपनों में बाधा आती है। रिताभरी चक्रवर्ती का असाधारण प्रदर्शन फुलोरा के चरित्र को जीवंत बनाता है, जिससे वह दर्शकों के बीच एक लोकप्रिय अभिनेत्री बन गई। साथ ही इस फ़िल्म के माध्यम से एक्ट्रेस ने अपनी कला प्रदर्शित कर के देश की जनता के दिलों में अपना एक विशेष स्थान बना लिया है। फटाफटी एक अवश्य देखी जाने वाली फिल्म है जो न केवल मनोरंजन करती है बल्कि आत्म-स्वीकृति और सशक्तिकरण का एक शक्तिशाली संदेश भी फैलाती है। अपने कैलेंडर में 4 अगस्त को चिह्नित कर लीजिए, क्योंकि यह उत्साहवर्धक फिल्म विशेष रूप से सोनी लिव पर स्ट्रीम हो रही है, जो एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव का वादा करती है। यह फ़िल्म बॉडी पॉजिटिविटी और सपनों की जीत का जश्न मनाती है। और साथ ही रिताभरी के अद्भुत अभिनय कौशल को भी दर्शाती है। एक्ट्रेस रिताभरी की अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की सूची काफी लंबी है और दर्शक उन्हें अब सिल्वर स्क्रीन पर देखने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

हर्षवर्धन कपूर ने ट्रोलर्स को मजाकिया अंदाज में दिया

मजेदार जवाब

सोशल मीडिया के क्षेत्र में, जहां मशहूर हस्तियों को अक्सर आलोचना और लगातार ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है, वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो नकारात्मकता से सीधे निपटना चुनते हैं। अपने अपरंपरागत दृष्टिकोण के साथ हर्षवर्धन कपूर ने हाल ही में दिखाया कि वर्चुअल दुनिया में नकारात्मकता को दूर करने के लिए हास्य और बुद्धि का उपयोग कैसे किया जा सकता है। स्नीकर्स के बहुत बड़े प्रशंसक और संग्रहकर्ता के रूप में जाने जाने वाले हर्षवर्धन ने हाल ही में अपने स्नीकर्स की नई जोड़ी को अनबॉक्स करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया और कैप्शन दिया कि आज बहुत खास अनबॉक्सिंग है। ऑनलाइन ट्रोलिंग से अभिभूत या परेशान होने के बजाय अभिनेता ने मजाकिया अंदाज़ में रिप्लाई करने के लिए अपनी त्वरित बुद्धि का इस्तेमाल किया, जिसने ट्रोलर की बोलती बंद कर दी, आई एम इन अ सीक्रेट रिलेशनशिप विद अ वेरी रिच वुमन फॉम दुबई शी इज मैरिड एंड स्टफ बट मैडली इन लव विद मी... शी पेय फ़ॉर ऑल दिस द सीक्रेट हैज नाउ... हर्षवर्धन फिलहाल मशहूर निशानेबाज अभिनव बिंद्रा की बायोपिक की तैयारी कर रहे हैं। वह जल्द ही स्क्रीन पर एक भावुक और प्रतिबद्ध प्रदर्शन के साथ मुख्य किरदार निभाते नजर आएंगे।

सपना चौधरी का पैपी हरियाणवी नंबर नंदी के बीर रिलीज

हरियाणी सिंगर-डांसर सपना चौधरी का नया गया नंदी के बीर रिलीज हो गया है। टी सीरीज ने इस हरियाणवी अपबीट सॉन्ग को लॉन्च किया है। इस गाने में सपना चौधरी के साथ विवेक राघव नजर आ रहे हैं। यह एक पैपी रोमांटिक नंबर है। नंदी के बीर को नोनू राणा ने गाया है और वीडियो का निर्देशन मणि शेरगिल ने किया है। राजू गुढ़ा द्वारा लिखित यह गाना एक जोड़े के बीच की मजेदार केमिस्ट्री को दर्शाने वाला एक खूबसूरत गाना है। इस गाने में कपल के बीच की मजेदार केमिस्ट्री को खूबसूरती से दर्शाया गया है। सपना चौधरी का यह गाना रिलीज होते ही यूट्यूब पर छा गया है। इस गाने को अब तक 2 मिलियन से ज्यदा व्यूज मिल चुके हैं।

सनी लियोनी ने 2016 के कंट्रोवर्शियल इंटरव्यू को किया याद

अपनी खूबसूरती और अदाकारी से आज दर्शकों के दिलों पर राज करने वालीं सनी लियोनी के सामने एक वक्त ऐसा आया था जब उन्हें खूब आलोचना का सामना करना पड़ा था। बात साल 2016 की है जब सनी इंडस्ट्री में नई आई थीं और अपनी फिल्म के प्रोमोशन के लिए एक इंटरव्यू दे रही थीं। इस दौरान उनसे बहुत भद्दे और आपत्तिजनक सवाल किए गए थे। इस विवादास्पद इंटरव्यू के बाद उनके सपोर्ट में फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारे आ गए थे। इंटरव्यू के दौरान लैंगिक भेदभाव वाले सवालों को शालीनता से संभाला था और हर तरफ से प्रशंसा हासिल की थी। आलोचना का सामना करने के बावजूद लियोन को अपने साथी बॉलीवुड अभिनेताओं का भी समर्थन मिला था। हाल ही में एक इंटरव्यू में सनी लियोन ने 2016 के उस विवादास्पद इंटरव्यू को याद किया और बी-टाउन हस्तियों के नामों का खुलासा किया, जो वीडियो वायरल होने के बाद उनके पास पहुंचे थे। सनी ने बताया कि, कुछ लोग ऐसे थे जिन्हें उस इंटरव्यू के बारे में पता चला और उन्होंने नाराजगी जताई। अभिनेत्री कहती है आमिर खान ने मुझे फोन किया था, मिस्टर अनिल कपूर ने, ऋतिक और सोनम कपूर ने भी मुझे सपोर्ट किया था। ये कुछ लोग थे जो मुझसे जुड़े और मुझसे आप पर गर्व है और मजबूत बने रहो जैसी बातें कहीं। दरअसल, साल 2016 में सनी लियोनी अपनी फिल्म मस्तीजादे के प्रमोशन के लिए एक टीवी जर्नलिस्ट के पास पहुंची थीं। वहां सनी से उनकी पिछली जिंदगी के बारे में बात की गई। बड़े ही वाहियात ढंग से उनसे सवाल किए गए थे। जिन्हें सुनकर हर कोई हैरान रह गया था।

सा रे गा मा पा में जज की भूमिका में नजर आएंगे अनु मलिक

सिंगिंग रियलिटी शो सा रे गा मा पा काफी पॉपुलर है। इस साल जी टीवी सा रे गा मा पा का नया सीजन वापस लेकर आ रहा है। कई दिग्गज सिंगर इस शो को जज करते नजर आने वाले हैं। जानेमाने संगीतकार अनु मलिक भी सिंगिंग रियलिटी शो सा रे गा मा पा में बतौर जज नजर आने वाले हैं। अनु मलिक ने कहा, सा रे गा मा पा प्लेटफॉर्म वह जगह है जहां धुनें गूंजती हैं और सपने उड़ान भरते हैं। अविश्वसनीय प्रतिभाओं का मार्गदर्शन और पोषण करते हुए इस संगीत यात्रा को शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। हमारे दो शानदार कलाकारों हिमेश रेशमिया और नीति मोहन के साथ पैनल साझा करने से खुशी बढ़ जाती है। अनु मलिक ने कहा, सा रे गा मा पा में जज के रूप में वापसी करना घर वापस आने जैसा लगता है। दर्शकों का मनोरंजन करते हुए कंटेस्टेंट्स के जुनून, समर्पण और अविस्मरणीय प्रदर्शन के स्वर समता देखने का इंतजार नहीं कर सकता। बता दें कि इससे पहले अनु मलिक इंडियन आइडल जज करते नजर आते थे। लेकिन साल 2018 में मी टू का आरोप लगने के बाद उन्हें इंडियन आइडल में जज की कुर्सी छोड़नी पड़ी थी। अब लगभग 5 साल बाद अनु मलिक किसी सिंगिंग बेस्ड रिएलिटी शो में जज की कुर्सी संभालते नजर आएंगे।

अमिताभ ने किया खुलासा

आखिर डिएगो कॉमिक-कॉन में क्यों नहीं हुए शामिल

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने आखिरकार खुलासा कर दिया है कि वह साइंस फिक्शन ड्रामा कल्कि 2898 एडी को प्रदर्शित करने को लेकर सैन डिएगो कॉमिक-कॉन 2023 में क्यों नहीं शामिल हुए। उन्होंने साझा किया कि फिल्म निर्माता नाग अश्विन चाहते थे कि वह भी साथ आएं लेकिन काम और चिकित्सा प्रतिबंधों ने मुझे उनसे दूर रखा। अपने ब्लॉग पर लिखा, सैन डिएगो प्रोजेक्ट फिल्म निर्माताओं और उन सभी लोगों के लिए एक महान क्षण है जो इसके पहले लुक को जारी करने के लिए वहां गए थे। मुझे नागी सर ने साथ आने के लिए बहुत प्रेरित किया था। लेकिन काम और चिकित्सा प्रतिबंधों ने मुझे ऐसे कई अवसरों से दूर रखा है। सिने आइकन ने साझा किया कि पहला लुक बहुत अच्छा था। अमिताभ ने फिल्म के शीर्षक में एडी का मतलब भी समझाया। सैन डिएगो कॉमिक-कॉन 2023 में कमल हासन, प्रभास और राणा दग्गुबाती ने भाग लिया। बिग बी जूम वीडियो कॉल के जरिए इस पैनल से जुड़े। इवेंट में यह घोषणा की गई कि जिस फिल्म का नाम पहले प्रोजेक्ट के था, उसका नाम कल्कि 2898 एडी रखा गया है। साइंस-फिक्शन कल्कि 2898 एडी फिल्म में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी भी भूमिका में हैं।

हेमा मालिनी ने 7 हजार बच्चों के लिए की रसोई की शुरुआत

बॉलीवुड एक्ट्रेस और सांसद हेमा मालिनी ने अक्षय पात्र प्रतिष्ठान की 67वीं रसोई का मथुरा में उद्घाटन किया जिसके माध्यम से क्षेत्र के 96 विद्यालयों में 7500 से ज्यादा बच्चों को दिन का पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। भाजपा की मथुरा से लोकसभा सांसद हेमा मालिनी ने बरसाना के आजनोख में इस मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अक्षय पात्र भारत में 67 से ज्यादा रसोई का संचालन कर रहा है। हेमा मालिनी ने अक्षय पात्र को महाभारत काल की द्रोपदी की कथा से जोड़ते हुए कहा कि भगवान कृष्ण ने जिस तरह द्रोपदी के अक्षय पात्र में सबके लिए भोजन उपलब्ध कराया था उसी अवधारणा पर श्रीकृष्ण और राधा रानी की लीला भूमि में इस अक्षय पात्र से हज़ारों बच्चों को हर दिन भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अच्छा भोजन और पौष्टिक भोजन बच्चों को उपलब्ध हो, अक्षय पात्र यह सुनिश्चित करता है और इसी सोच के साथ अक्षय पात्र मथुरा जिले 2100 स्कूलों में भोजन उपलब्ध करा रहा है। अक्षय पात्र फाउंडेशन के वॉइस चेयरमैन चंचलापति दास ने कहा कि इस रसोई के माध्यम से आसपास के 48 गांव के साढ़े सात हज़ार बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। उनका कहना था यह रसोई पूरी तरह से महिलाओं द्वारा संचालित की जा रही सामूहिक रसोई है।

जान्हवी ने बवाल

पसंद करने के लिए फैंस का किया आभार व्यक्त

वरुण धवन और जान्हवी कपूर स्टारर बवाल हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई थी। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित इस रोमांटिक ड्रामा में पहली बार वरुण और जान्हवी ने एक साथ काम किया है। फिल्म को सोशल मीडिया पर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही है और वरुण और जान्हवी को उनके प्रदर्शन के लिए काफी प्रशंसा मिल रही है। अब जान्हवी ने भी फैंस का शुक्रिया अदा किया है। फिल्म 'बवाल' की रिलीज के कुछ दिनों बाद जान्हवी कपूर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने प्रशंसकों के लिए एक भावुक नोट लिखा है। जान्हवी ने उनके प्रदर्शन की सराहना करने और बवाल में उनके किरदार निशा पर प्यार बरसाने के लिए प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया। फैंस भी कमेंट सेक्शन में अभिनेत्री की तारीफ करने से नहीं चूक रहे हैं। जान्हवी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने को-स्टार वरुण के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की और लिखा, 'आपका प्यार बवाल रहा है। निशा को अपने और अज्जू को सुधारने के लिए, हमारी कहानी और काम को इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद। एक धारणा बनाने में, एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा करने और कुछ प्रकार की मान्यता को अपनाकर हम इस दौड़ में कहीं खो गए हैं। कभी-कभी कुछ चीजें हमें सबसे बड़ी समस्या लगती है। हालांकि, यह सब हमारे दिमाग का फितूर होता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011